हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, सोमवार, 20 मई 2024

तापमान
अधिकतम 46.0 डिग्री
न्यूनतम 27.2 डिग्री

11 ईमानदारी व निष्ठा से चुनावी ड्यूटी का सभी पोलिंग पार्टियां निर्वहन करें

12 आठ साल बाद 46 डिग्री पर पारा सबसे गर्म दिन रहा रविवार

खबर संक्षेप

नाईवाली चौक सब्जी मंडी से बाइक चोरी

रेवाड़ी। नाईवाली चौक सब्जी मंडी से चोर एक बाइक चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में मूल रूप से बिहार के समस्तीपुर निवासी सुनील पंडित ने बताया कि वह हंसनगर में रहता है। वह बाइक लेकर नाईवाली चौक सब्जी मंडी से सब्जी खरीदने के लिए गया था। बाइक खड़ी करने के बाद वह सब्जी खरीदने के लिए चला गया। चंद मिनट बाद वापस आने पर उसे बाइक गायब मिली। पुलिस ने चोरी का केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

बस स्टैंड के पीछे शराब बेचते एक गिरफ्तार

धारूहेड़ा। सेक्टर-6 थाना पुलिस ने बस स्टैंड के पीछे अवैध शराब बेचने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अवैध शराब बेचने की सूचना के बाद मौके पर छापा मारा तो रामजस नगर में रहने वाले गोठड़ा टप्पा डहीना निवासी दिनेश शराब बेच रहा था। उसके कब्जे से 44 पव्वे शराब बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी को शराब के साथ गिरफ्तार करने के बाद उसके खिलाफ केस दर्ज कर लिया।

एक्साइज एक्ट के तहत दूसरा आरोपी काबू

रेवाड़ी। सिटी पुलिस ने अवैध शराब बेचने के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने 17 मई को अर्जुन नगर निवासी संदीप को अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया था। उसके खिलाफ एक्साइज एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया था। आरोपी से पूछताछ के बाद दिनेश सैनी की भी इस मामले में संलिप्तता पाई गई, जिसके बाद पुलिस ने उसे भी गिरफ्तार कर लिया। बाद में आरोपी को कोर्ट में पेश कर दिया गया।

युवक के साथ मारपीट करने का केस दर्ज

रेवाड़ी। रामपुरा रोड पर मेडिकल स्टोर पर दवा लेने के लिए गए युवक के साथ मारपीट करने के आरोप में पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस बयान में कुतुबपुर निवासी रमेश ने बताया कि वह मेडिकल स्टोर पर गया था। दवा लेने के बाद वापस जाने लगा तो पीछे से रितिक ने उसके सिर पर डंडे से वार कर दिया। फोन भी तोड़ दिया। पुलिस ने उसके बयान पर केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

धारूहेड़ा। पुलिस करीब 8 माह पूर्व एक नाबालिग के अपहरण का प्रयास व दुष्कर्म के आरोप में दर्ज केस में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत के आधार पर 16 सितंबर 2023 को विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस ने जांच के बाद राजस्थान के सिलारपुर निवासी रोहित को गिरफ्तार कर लिया।

मारपीट व धमकी के ओरापी भेजे जेल

रेवाड़ी। जिले के एक गांव में महिला के साथ छेड़छाड़ करने और पत्नी के साथ मिलकर मारपीट करने के आरोपी दंपति को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने पीड़ित महिला की शिकायत पर 5 मई को विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी। जांच के बाद पुलिस ने गांव निवासी नवल व उसकी पत्नी प्रमिला को गिरफ्तार कर लिया। दोनों को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेजने के आदेश जारी हुए।

तीन माह बाद ई-रिक्शा चालक पर केस

रेवाड़ी। गोपाल देव चौक के पास स्कूटी सवार को टक्कर मारने के मामले में पुलिस ने तीन माह बाद ई-रिक्शा चालक पर केस दर्ज किया है। गोपाल देव के पास रहने वाले मंजीत ने 16 फरवरी को पुलिस बयान में आरोप लगाया था कि एक ई-रिक्शा चालक ने उसकी स्कूटी को टक्कर मार दी, जिससे वह उसकी बेटी घायल हो गए थे।

मतदान के दिन परिवार के साथ पोर्टल पर सेल्फी अपलोड करने पर ड्रॉ से मिलेगा नकद इनाम

चुनाव में पहली बार ईवीएम बटन दबाने को 15707 युवा तैयार, वोट डालने को लेकर दिख रहा उत्साह

- सबसे अधिक सेल्फी अपलोड करने वाले स्कूल को मिलेगा 25 हजार का विशेष पुरस्कार

हेमंत शर्मा ▶▶| रेवाड़ी

नए युवा वोटरों में वोट बनने के बाद से चुनाव में मतदान करने का काफी उत्साह है। चुनाव में पहली बार वोट डालने वाले शिव नगर निवासी अंकित सिंह, धारूहेड़ा निवासी भूपेन्द्र, राहुल, मंयक, मोहित व वैभव सैनी ने कहा कि यह देश के लोकतंत्र का महापर्व है, जिसके प्रति सभी नागरिकों में जोश व उत्साह होना चाहिए। जिले में छठे चरण में होने वाले लोकसभा चुनाव में छह दिन शेष रह गए है। 25 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव में जिले से 15707 युवा वोटर पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। जिला प्रशासन की ओर से स्वीप गतिविधियों के माध्यम से मतदाताओं को लगातार मतदान करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। भारत निर्वाचन आयोग की ओर से इस बार 40 प्रतिशत या उससे अधिक प्रतिशत वाले दिव्यांग व्यक्तियों व 85 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्ग को घर से मतदान करने की वैकल्पिक सुविधा भी दी गई थी, जिसमें जिले से 1056 दिव्यांग व 85 वर्ष से अधिक के बुजुर्ग रविवार को घर से बैलेट पेपर के माध्यम से मतदान कर चुके है। बीएलओ की ओर से रेवाड़ी, बावल व कोसली विधानसभा में 11119 बुजुर्गों व 3861 दिव्यांगों को फार्म-12 डी सर्कुलेट किए गए थे, जिनमें से 939 बुजुर्गों व 383 दिव्यांगों ने घर

अंकित सिंह, भूपेन्द्र, मयंक, मोहित, राहुल, वैभव सैनी

बैठे मतदान करने के लिए आवेदन किया था, जिसमें आवेदनों की जांच के उपरांत 1056 को घर से मतदान करने की सुविधा दी गई।

तीनों विस क्षेत्रों में नए वोटर तैयार

जिला निर्वाचन आयोग की ओर से स्वीप गतिविधियों के माध्यम से लोगों व युवाओं से नया वोट बनवाने की अपील भी की गई थी, जिसमें 7 हजार के करीब युवाओं व लोगों ने नया वोट भी बनवाया है। इन सभी के वोटर कार्ड बाई पोस्ट घर भेज दिए गए है। जिले में 15707 युवा पहली बार अपने वोट का प्रयोग करेंगे। रेवाड़ी विधानसभा में 4586 युवा वोटर, बावल विधान सभा में 4914 तथा कोसली विधान सभा में 6207 नए युवा वोटर अपने मतदाधिकार का पहली बार उपयोग करेंगे।

तीनों विस क्षेत्रों में तीन सबसे उम्रदराज वोटर

मतदाता सूची में बावल विधानसभा क्षेत्र में गांव जलियावास निवासी सूरत सिंह आयु 109 वर्ष, कोसली विधानसभा क्षेत्र में धवाना निवासी नारायणी देवी आयु 110 वर्ष तथा रेवाड़ी विधानसभा क्षेत्र में गांव गंगायचा अहीर निवासी कस्तूरी देवी आयु 106 वर्ष सबसे उम्रदराज वोटर के रूप में पंजीकृत हैं।

कुल मतदाता सवा सात लाख से अधिक

जिले में चुनाव कार्यालय के आंकड़ों के अनुसार 724589 वोटर गुरुग्राम व रोहतक लोकसभा क्षेत्र में पंजीकृत है। जिले के तीन विधानसभा क्षेत्र बावल, कोसली व रेवाड़ी में 378356 पुरूष, 346225 महिलाएं व 8 थर्ड जेंडर सहित 724589 वोटर हैं। बावल विस क्षेत्र में कुल 226534 मतदाता हैं, जिनमें 118279 पुरूष, 108254 महिलाएं व 1 थर्ड जेंडर, कोसली विस क्षेत्र में कुल 248574 मतदाता हैं, जिनमें 129809 पुरूष, 118764 महिलाएं व 1 थर्ड जेंडर तथा रेवाड़ी विस क्षेत्र में कुल 249481 मतदाता हैं, जिनमें 130268 पुरूष, 119207 महिलाएं व 6 थर्ड जेंडर हैं।

परिजनों के साथ सेल्फी अपलोड करने पर इनाम

25 मई को लोकसभा चुनाव के दिन वोट डालने के बाद परिवार के मतदाताओं की उंगली पर लगी नीली स्याही के साथ सेल्फी पोर्टल पर अपलोड करने पर इनाम भी दिया जाएगा। जिला स्तर पर ड्रॉ के माध्यम से प्रथम विजेता को 10 हजार रुपये, द्वितीय को 5 हजार रुपये व तृतीय विजेता को 2500 सौ रुपये का नकद इनाम दिया जाएगा। इसके अलावा जिले के जिस स्कूल के विद्यार्थी सबसे अधिक सेल्फी अपलोड करेंगे, उस स्कूल को 25 हजार रुपये का विशेष पुरस्कार दिया जाएगा। सेल्फी अपलोड करने के लिए सीईओहरियाणा.जीओवी.इन पोर्टल पर एक लिंक बनाया गया है, जोकि मतदान के दिन खुलेगा और लिंक प्रातः 7 बजे से मतदान के साथ ही सेल्फी अपलोड करने के लिए एक्टिवेट हो जाएगा, जिस पर रात्रि 8 बजे तक सेल्फी अपलोड की जा सकेगी।

यह डॉक्यूमेंट दिखाकर डाल सकते वोट

जिले में कई ऐसे वोटर भी है, जिनका नाम तो वोटर लिस्ट में है, लेकिन उनके पास वोटर आईडी कार्ड नहीं है। भारत निर्वाचन आयोग ने बगैर वोटर आईडी कार्ड के भी मतदाताओं को वोट डालने का विकल्प दिया हुआ है, जिनका प्रयोग कर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकते हैं। ऐसे वोटर पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस तथा अगर आप सेंट्रल और स्टेट गवर्नमेंट के कर्मचारी हैं या फिर, पीएसयू और पब्लिक लिमिटेड कंपनी में काम कर रहे हैं तो कंपनी की फोटो युक्त आईडी के आधार पर भी मतदान किया जा सकता है। इसके अलावा पैन कार्ड, आधार कार्ड, पोस्ट ऑफिस और बैंक की पासबुक, मनरेगा जॉब कार्ड, लेबर मिनिस्ट्री द्वारा जारी किया गया हेल्थ इंश्योरेंस कार्ड, पेंशन कार्ड जिस पर आपकी फोटो लगी हो और अटेस्टेड हो, नेशनल पॉपुलेशन रजिस्ट्रार द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड तथा एमपी-एमएलए-एमएलसी की ओर से जारी आधिकारिक पहचान पत्र दिखाकर मतदान कर सकते है।

चोरों ने ट्रेन मैनेजर को भी नहीं बख्शा

रेलवे स्टेशन से ड्यूटी बैग चोरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेलवे स्टेशन पर चोरों का दुस्साहस इतना बढ़ गया है कि एक ट्रेन मैनेजर का ड्यूटी बैग तक चोरी कर लिया गया। बैग में ट्रेन संचालन से जुड़ा हुआ सामान था। जीआरपी ने केस दर्ज करने के बाद चोरों का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए। जीआरपी को दर्ज शिकायत में ट्रेन मैनेजर सोनू ने बताया कि वह दिल्ली शकूरबस्ती रेलवे स्टेशन पर तैनात है। वह शकूरबस्ती से ट्रेन लेकर रेवाड़ी आया था। स्टेशन पर आने के बाद उसका ड्यूटी बैग किसी ने चोरी कर लिया। बैग में रेलवे का वॉकी-टाकी, गेज, झंडी, पटाखे, बैट्री चार्जर व अन्य सामान था। जीआरपी ने ट्रेन मैनेजर की शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद रेलवे स्टेशन पर सीसीटीवी कैमरों की मदद से चोरों का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए।

महिला के गहने चोरी का केस दर्ज

एक अन्य मामले में जीआरपी ने एक महिला के बैग के महंगे गहने चोरी होने का केस दर्ज किया है। सीकर के सुभाष चौक निवासी डा. करिश्मा अग्रवाल ने जीआरपी को दर्ज शिकायत में बताया सास-ससुर के साथ सीकर से दिल्ली जाते समय चोरों ने उसके बैग से एक सोने की चेन व लगभग 50 हजार रुपये की माला चोरी कर ली

चोरी के बाद पुलिस के सामने से निकल गए चोर, पीछा करने की बजाय सूचना देने तक सीमित रही पुलिस

- डहीना बस स्टैंड पर चोरों ने दिया वारदात को अंजाम
- पुलिस के सामने ही आसानी से भागने में हुए कामयाब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

डहीना बस स्टैंड पर बीते शुक्रवार देर रात चोर एक दुकान में चोरी की वारदात को अंजाम देने के बाद पुलिस की आंखों के सामने भागने में कामयाब हो गए। पुलिस ने पीछा करने या चोरों को पकड़ने का प्रयास करने की बजाय दुकानदार को चोरी की सूचना देकर पल्ला झाड़ लिया। भागने के बाद भी पुलिस ने नाकेबंदी कराकर चोरों को पकड़ने का कोई प्रयास नहीं किया, जिससे पुलिस की कार्यशैली सवालों के घेरे में आ गई है। डहीना निवासी सुनील कुमार की एचडीएफसी बैंक के पास बैट्री-इन्वर्टर की दुकान है। रात को 1 बजकर 5 मिनट पर डहीना पुलिस चौकी स्टाफ ने उसे फोन पर बताया कि उसकी दुकान में चोरी हो गई है। वह अपने भाई को लेकर दुकान पर पहुंचा, तो पुलिस मौके पर मौजूद थी। चोर दुकान के शटर का ताला काटने के बाद शीशा तोड़कर चार नई व तीन पुरानी बैट्री चोरी कर ले गए। चोर उसके गल्ले में 1700 रुपये भी ले गए। चोरी की यह वारदात पुलिस की आंखों के सामने हो गई, लेकिन पुलिस ने चोरों का पीछा तक नहीं किया। दुकानदार को फोन पर सूचना देने के बाद पुलिस वहां खड़ी सुनील के आने का इंतजार करती रही। पुलिस ने उसकी शिकायत पर चोरी का केस दर्ज कर लिया।

रेवाड़ी। चोरी में इस्तेमाल की गई गाड़ी।

सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हुई वारदात

दुकान के पास ही एचडीएफसी बैंक के बाहर सीसीटीवी कैमरा लगा हुआ है। सुनील के भाई इंद्रजीत ने बताया कि उसने जब बैंक की फुटेज चेक की, तो उसमें पहले एक कार कनीना की ओर से 12:38 बजे बैंक के सामने आकर रुकी। दो मिनट बाद कार रेवाड़ी की ओर निकल गई। 12:45 बजे कार एक बार फिर वहां आई। उसमें तीन लोग नजर आए, जिनमें से दो कार से उतरते हुए दिखाई दे रहे हैं। जिस समय चोरों की कार तेज गति से भाग रही है, उसी समय कैमरे में पुलिस की गाड़ी भी दिखाई दे रही है।

सवालों के घेरे में पुलिस की कार्यशैली

जिले में चोरी की बढ़ती वारदातों के बीच पुलिस का चोरों को देखने के बावजूद पीछा नहीं करना पुलिस की कार्यशैली पर सवालिया निशान खड़े कर रहा है। पुलिस का मानना है कि चोर कंवाली रोड से होते हुए भागे हैं। ऐसे में अगर समय पर नाकेबंदी की जाती, तो चोरों को काबू किया जा सकता था, लेकिन पुलिस ने ऐसा नहीं किया। इंद्रजीत ने दावा किया कि चोर पुलिस के सामने ही भागे हैं, परंतु उन्हें पकड़ने का कोई प्रयास नहीं किया गया। अब सांप निकलने के बाद पुलिस जांच के नाम पर लकीर पीट रही है।

चौकी प्रभारी ने फुटेज को झुठलाया

डहीना पुलिस चौकी प्रभारी सचिन कुमार ने दावा किया पुलिस के पहुंचने से पहले ही चोर फरार होने में कामयाब हो गए थे, जबकि फुटेज में चोरों और पुलिस दोनों की गाड़ियां दिखाई दे रही हैं। चौकी प्रभारी का कहना है कि फुटेज के आधार पर गाड़ी व चोरों का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

चित्रकारों ने पेंटिंग से दिया मतदान करने का संदेश

रेवाड़ी। पेंटिंग के माध्यम से मतदान का संदेश देते चित्रकार। फोटो :हरिभूमि

रेवाड़ी। 18वें लोकसभा चुनाव में लोगों को मतदान करने के प्रति जागरूक करने व मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए जिला प्रशासन की मुहिम के साथ शहर के संगठन व चित्रकार भी अपने-अपने तरीके से लोगों को जागरूक कर रहे है। यह चुनाव दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के साथ-साथ मानव इतिहास का सबसे बड़ा चुनावी महापर्व है। रविवार को हरियाणा कला यात्रा के चित्रकार एसके राजोतिया, टींनू आर्टिस्ट, रिंकू पेंटर, कुसुम यादव, रुचि शर्मा, हर्षिता व अमित कुमार ने राजेश पायलट चौक स्थित रेजांगला पार्क के बाहर 'आपका वोट-आपका अधिकार' पेंटिंग के माध्यम से लोगों को चुनावी महापर्व में बढ़ चढ़कर भागीदारी कर अपने एक-एक मत का प्रयोग कर एक स्वच्छ और मजबूत भारत का निर्माण करने का संदेश दिया। हरियाणा में 25 मई को छठे चरण में चुनाव होना है। हरियाणा कला यात्रा के संयोजक राजोतिया ने सभी मतदाताओं से इस चुनावी महायज्ञ में अपने एक-एक मत का प्रयोग करके लोकतंत्र को मजबूत बनाने में सहयोग करने की अन्पील की। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाना हम सबकी जिम्मेदारी है।

पिता के पास दो बार फोन करने के बाद फोन बंद, रहस्यमय ढंग से युवक लापता

बावल। राजस्थान के शाहजहांपुर बस स्टैंड से बणीपुर चौक के लिए बस में बैठा एक युवक अपने पिता को दो बार फोन करने के बाद रहस्यमय ढंग से लापता हो गया। उसके बाद से उसका फोन लगातार बंद आ रहा है। कसोला पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद युवक की तलाश शुरू कर दी। गांव फौलादपुर निवासी राजेश कुमार ने अपने 25 वर्षीय बेटे दौलत को उसके मामा के घर रेवाड़ी जाने के लिए शाहजहांपुर बस स्टैंड से एक प्राइवेट बस में बैठाया था। सुबह 9 बजकर 36 मिनट पर दौलत ने उसके पास दो बार फोन किया। वह सिर्फ पापा-पापा बोल रहा था। इसके बाद फोन कट गया। उसने वापस फोन किया तो उसके बेटे का फोन बंद आ रहा था। राजेश ने बस कंडक्टर के पास फोन किया, तो उसने बताया कि दौलत को बणीपुर चौक पर उतार दिया था। राजेश ने तुरंत आकर चौक पर लगे एक सीसीटीवी कैमरे की फुटेज चेक की, तो उसमें राजेश कहीं नजर नहीं आया। कसोला पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद युवक की तलाश शुरू कर दी।

दवा लेकर लौट रही महिला सम्मोहित सोने के कुंडल व 20 हजार ले गए ठग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धारूहेड़ा

चांद कॉलोनी निवासी एक महिला को तीन लोग सम्मोहित करने के बाद सोने के कुंडल व 20 हजार रुपये लेकर फरार हो गए। यह घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पुलिस ने फुटेज के आधार पर आरोपियों का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए। नीरज देवी अस्पताल में दवा लेने के लिए गई थी। उसने पुलिस शिकायत में बताया कि अस्पताल से लौटते समय पावर हाउस के पास तीन लोगों ने उससे बालाजी मंदिर जाने का रास्ता पूछा। उनमें से एक ने उसके हाथ पर कोई वस्तु रख दी, जबकि एक ने अपने हाथ में आग लगा ली। इसके बाद एक ने कुछ मंत्र पढ़ने शुरू कर दिए। महिला अपनी सुध खो बैठी।

होश में आने के बाद चला ठगी का पता

नीरज देवी ने बताया कि तीनों के वहां से चले जाने के बाद उसे होश आया। इसके बाद ठगी का पता चलते हुए उसने डायल-112 कॉल की। बाद में पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घटनास्थल के पास लगे एक सीसीटीवी कैमरे की फुटेज चेक की, तो उसमें तीन लोग वारदात को अंजाम देते दिखाई दिए। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी।

चुनाव फ्लैग मार्च का नेतृत्व डीएसपी बावल नरेंद्र सांगवान व थाना रामपुरा प्रभारी इंस्पेक्टर मुकेश चन्द ने किया

लोकसभा चुनाव में भयमुक्त माहौल देने के लिए पुलिस व बीएसएफ जवानों का फ्लैग मार्च

- फ्लैग मार्च के दौरान लोगों से भयमुक्त होकर मतदान करने की अपील

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। बावल क्षेत्र में फ्लैग मार्च करते हुए,धारूहेड़ा में फ्लैग मार्च करते पुलिस व बीएसएफ के जवान। फोटो :हरिभूमि

पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन के मार्गदर्शन में रविवार को जिला पुलिस ने लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्ण संपन्न कराने व कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए धारूहेड़ा व रामपुरा क्षेत्र में फ्लैग मार्च किया। फ्लैग मार्च का नेतृत्व डीएसपी बावल नरेंद्र सांगवान व थाना रामपुरा प्रभारी इंस्पेक्टर मुकेश चन्द ने किया। फ्लैग मार्च में बीएसएफ, पुलिस व अर्धसैनिक बल के जवान शामिल थे। फ्लैग मार्च के दौरान लोगों से भयमुक्त होकर मतदान करने की अपील की गई। धारूहेड़ा क्षेत्र में फ्लैग मार्च जोनावास से शुरू होकर मसानी, धारूहेड़ा, मालपुरा, जोनियावास, कंपनी एरिया, कापड़ीवास, आंकेडा, नारायण विहार, भिवाड़ी मोड़, अलवर बाईपास, भगत सिंह चौक, नंदरामपुर बास रोड व अलावलपुर एरिये से होकर गुजरा। रामपुरा क्षेत्र में फ्लैग मार्च रामपुरा मोड़ से शुरू होकर राव तुलाराम विहार, नंगली गोधा, राजियाका, गोलियाका, पुन्सिका, भांडोर, गुमीना, खोरी, सुंदरोज व सहारनवास एरिये में निकाला गया। इस दौरान बीएसएफ के असिस्टेंट कमांडेंट प्रताप सिंह, थाना रामपुरा प्रभारी इंस्पेक्टर मुकेश चंद, थाना सेक्टर-6 धारूहेड़ा प्रभारी इंस्पेक्टर सुनील कुमार, थाना धारूहेड़ा प्रभारी इंस्पेक्टर जगदीश चंद व लाईन अफसर इंस्पेक्टर विक्रम सिंह मौजूद थे। डीएसपी बावल सांगवान ने कहा कि फ्लैग मार्च का उद्देश्य आमजन में सुरक्षा की भावना पैदा करना है, ताकि वह निर्भय होकर अपना मतदान कर सकें। फ्लैग मार्च दौरान पुलिस ने लोगों को बिना किसी डर भय के चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। आमजन से यह भी ही अपील की गई है कि मतदान के दौरान अगर कोई व्यक्ति उन्हें प्रभावित करें तो उसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि ऐसे लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सके।

कसौला व बावल में किया फ्लैग मार्च

कसौला व बावल क्षेत्र में भी फ्लैग मार्च किया। फ्लैग मार्च का नेतृत्व प्रबंधक थाना कसौला शिव दर्शन, प्रबंधक थाना बावल लाजपत, लाइन अफसर विक्रम सिंह एवं बीएसएफ के असिस्टेंट कमांडेंट प्रताप सिंह ने किया। फ्लैग मार्च में बीएसएफ के जवान भी शामिल थे। कसौला क्षेत्र में फ्लैग मार्च गांव सुठाना से शुरू होकर आसलवास, संगवाड़ी, जड़थल, मुकुन्दपुर बसई, गढ़ी बोलनी, कसौला, बखापुर, पातुहेडा व इब्राहिमपुर एरिया में निकाला गया। बावल क्षेत्र में फ्लैग मार्च बनीपुर चौक से शुरू होकर बावल कस्बा, खेडामुरार, मंगलेश्वर, नांगल शहबाजपुर, नगली परसापुर, झाबवा, नांगल तेजू, प्राणपुरा, रानोली, तिहाडा, शहांजरपुर, खड़ोडा व मोहनपुर, टाकड़ी एरिये में निकाला गया।

सुख तो धर्माचरण से मिलता है, अन्यथा संसार तो दुःखमय है ही! संसार के कर्मों को धार्मिकता के साथ करने में सुख की ही संभावना है।

- जयशंकर प्रसाद

हरपाल का यह सपना.. सपना ही रह गया कि अंत समय में उसके चारों बेटे उसे घेर कर खड़े होंगे, लेकिन सिर्फ कृष्णा उनके पास खड़ा था। अब वह भगवान से प्रार्थना कर रहे थे कि हे भगवान हर एक माता-पिता को एक कृष्णा जैसी संतान जरूर देना।

कृष्णा

कहानी | **रेखा शाह आरबी**

हरपाल चौधरी एक संपन्न किसान था। खूब संपन्न खेती और गृहस्थी थी। पचास बीघा खेत और गांव के बीचों-बीच बड़ा सा मकान और और दरवाजे पर चार दुधारू पशु उसके ऊपर ईश्वर की बहुत ही अनुकंपा थी और उसके लंबे चौड़े मकान के आंगन में खेलते उसके चार बेटे उसके मन की शक्ति थे। जब भी अपने चारों बेटों को आंगन में खेलता हुआ देखता तो यही सोचता -मुझे किस बात की फिक्र है, जिस दिन मेरे चारों बेटे जवान हो जाएंगे उस दिन मुझसे ज्यादा संपन्न और कौन होगा लोग अपने बुढ़ापे से डरते होंगे मेरे तो चारों बेटे मुझे चारों ओर से घेर कर रखेंगे वह यह सब सोच कर प्रफुल्लित हो उठता था।

ये तो एक इंसान की सोच है, लेकिन ऊपर वाले ने किसके लिए क्या सोच कर रखा है कोई भी नहीं जान पाता है। किस सुख के पीछे दुख की गठरी छुपा कर रखी है और किस दुख के पीछे खुशी का खजाना छुपा कर रखा है यह सिर्फ ईश्वर ही समझ सकता है। आम इंसान कभी नहीं जान सकता है, लेकिन फिर भी हम सब कयास लगाने से नही चूकते हैं।

उसके गांव जगतपुर में यह बात प्रसिद्ध थी कि हरपाल से संपन्न किसान चार जवार में नहीं है। उसके घर लक्ष्मी और सरस्वती दोनों की कृपा एक साथ अपनी अनुकंपा बरसाती हैं। उसने खूब सपने सजाए थे अपने बेटों के लिए कि किसी को डॉक्टर तो किसी को इंजीनियर बनाऊंगा। समय अपनी गति समय से बढ़ता रहा और बच्चे भी बड़े होते रहे। अपनी तरफ से चारों बच्चों रोहन, मोहन, सोहन, कृष्णा को पढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। रुपये पैसे की कोई कमी नहीं थी। सब पढ़ने में होशियार थे, इसीलिए आगे बढ़ते चले गए। लेकिन सबसे छोटा कृष्णा पढ़ने के मामले में मंदबुद्धि निकला। गांव के स्कूल से शहर के स्कूल पढ़ने नहीं जा सका। खेती गृहस्थी तो संभाल लेता था, लेकिन पढ़ाई के मामले में वह आगे नहीं बढ़ सका। हरपाल कृष्णा को देखकर बहुत ही चिंतित रहा करता था। पिता होने के नाते उसकी चिंता जायज भी थी।

वह चाहता था कि उसके और बच्चों की तरह.. कृष्णा भी पढ़ लिखकर एक बड़ा आदमी बने, लेकिन ऐसा संभव न हो सका। ईश्वर ने उसकी किस्मत में कुछ और लिखा था। एक बार हरपाल के गांव जगतपुर में एक बड़े ही पहुंचे हुए महात्मा जी मंदिर पर प्रवचन देने के लिए आए थे। तो वह उनके आगे अपना दुखड़ा रोने लगा- 'बाबा मेरे तीनों बेटे तो बहुत होशियार हैं पढ़ने लिखने में सब चीज में, लेकिन मेरा छोटा बेटा कृष्णा वह पढ़ाई के मामले में मंदबुद्धि और एकदम सीधा-साधा है मुझे समझ नहीं आता है मेरे बाद उसका गुजर बसर कैसे होगा?'

महात्मा जी के चेहरे पर बहुत तेज था वह बोले- 'बेटा ईश्वर ने सबको जन्म दिया है और उसी ने सबका भाग्य भी लिखा है। यहां धरती पर चींटी का भी गुजर हो जाता है और शेर का भी गुजर हो जाता है। तुम अपने जिस बेटे के कारण घुले जा रहे हो सकता है भगवान ने कुछ अलग और अच्छा ही सोच रखा होगा, इसीलिए व्यर्थ की चिंता ना करो। सब ईश्वर के ऊपर छोड़ दो। बस कर्म अच्छे करते रहो फल देने वाला तो ऊपर बैठा है और वह किसी के साथ अन्याय नहीं करता है।'

बाबा जी की बात सुनकर हरपाल को संतुष्टि तो नहीं हुई, लेकिन फिर ईश्वर के ऊपर छोड़कर वह अपनी दुनियादारी में व्यस्त हो गया। समय बदलते और बीतते देर नही लगती है। बच्चे बड़े हो गए वह बच्चो के खुद बाप बन गए। घर की खेती बाड़ी विस्तृत थी और हाथ बटाने वाला कृष्णा के अलावा कोई न था। तीनों बेटे तो जैसे लगता था शहर के ही होकर रह गए।

गांव की धूल मिट्टी अब उन्हें रास नहीं आती थी। शुरू-शुरू में तो छुट्टियों में आते भी रहे, लेकिन अब तो धीरे-धीरे आना एकदम बंद कर दिए साल में एकाध बार ही आते थे। जब तक शरीर में हरपाल के जान रही तब तक तो वह शहर में जाकर नाती पोतों से मिल आता था। लेकिन अब 4 महीने हो चुके थे उसे अस्वस्थ रहते हुए, लेकिन ना बेटे शहर से देखने आए और ना ही वह पोतों को देखने शहर ही जा सका। इधर दिन पर दिन स्वास्थ्य गिरता ही जा रहा था।

कुछ उम्र का असर कुछ बीमारियों का असर पूर्ण रुपये से शरीर पर था। एक दिन कृष्णा को बुलाकर कृष्णा से बोला- 'कृष्णा शहर में अपने सभी भाइयों को फोन कर दे। वह सभी आकर मुझसे मिल ले क्या पता कब आंख मुंद जाए और मुलाकात भी ना हो। हरपाल चौधरी बेहद कमजोर आवाज में बोला।' ठीक है बाबूजी मैं अभी फोन लगाता हूं कह कर कृष्णा हरपाल के पलंग के बगल में रखे फोन से अपने भाइयों को फोन लगाने लगा।

'हेलो भैया..आप बच्चे भाभी के साथ गांव आ जाइए। यहां पर बाबूजी की तबीयत बहुत खराब है। कुछ भी हो सकता है, इसलिए आप लोग आकर मिल जाइए और साथ ही मोहन, सोहन भैया को भी खबर कर दीजिएगा।' कृष्णा के बड़े भैया रोहन ने कुछ बातचीत और ताकीद के साथ फोन रख दिया।

इधर हरपाल चौधरी रोज दिन अपने बेटे और नाती पोते के लिए इंतजार करते, लेकिन शहर से ना किसी को आना था ना आया। आखिर एक दिन इंतजार करते-करते हरपाल चौधरी को अब समझ में आ चुका था.. उनके बेटों के लिए उनके जीवन का कोई मोल मूल्य नहीं है। शायद वह कुछ ज्यादा समझदार है। हरपाल चौधरी को साधु बाबा की बातें भी याद आ रही थी कि ईश्वर जो करता है अच्छा ही करता है। वह भी अब सोचते हैं कि अगर कृष्णा अपने तीनों भाइयों के जैसा होता तो क्या होता। अच्छा ही रहा कि थोड़ा मंदबुद्धि है कम से कम उसके अंदर रिश्ते नाते और इंसानियत तो जिंदा है।

अब वह साफ-साफ साधु बाबा के बातों का मंतव्य समझ चुका था.. और अब उसे कृष्णा के भविष्य की जरा भी चिंता नहीं थी क्योंकि वह समझ चुका था कृष्णा भले ही धन से बहुत ज्यादा अमीर ना बने, लेकिन इंसान के रूप में वह बहुत अच्छा इंसान भगवान ने बनाया है।

हरपाल का यह सपना.. सपना ही रह गया की अंत समय में उसके चारों बेटे उसे घेर कर खड़े होंगे। घेर कर तो खड़ा था लेकिन सिर्फ कृष्णा उनके पास खड़ा था। अब वह भगवान से प्रार्थना कर रहे थे कि हे भगवान हर एक माता-पिता को एक कृष्णा जैसी संतान जरूर देना ताकि दुनिया में रिश्ते नाते प्रेमभाव और इंसानियत जिंदा रहे।

(लेखिका वरिष्ठ साहित्यकार हैं)

आंगन में चारपाई

कहानी | **मधु वशिष्ठ**

आज लगभग बाबू जी की मृत्यु के 8 साल बाद हम सारे भाई बहन गांव की हवेली में इकट्ठे हुए। आज 2:00 बजे पड़ोस के ताऊ जी के बेटे को हम सब ने हवेली के कागजात पर साइन करने का वादा किया था। हम सब बहुत समय बाद अपनी पुरानी हवेली में इकट्ठे हुए थे। घर की हर चीज पुरानी यादें दिला रही थी। हालांकि हम सबके चेहरों पर झुर्रियां स्पष्ट थी। हम सब लगभग बुढ़ा चुके थे लेकिन हवेली में आते ही मानो हमारा बचपना लौट आया हो। हम सब भूल चुके थे कि हम जीवन के रास्ते पर इतने आगे बढ़ चुके हैं कि अब दादी और नानी का भी किरदार निभा रहे हैं, लेकिन हवेली में हम सातों भाई बहन फिर वैसे ही हो गए थे जैसे कि माता-पिता की छत्रछाया में होते थे। छोटी दीदी चिल्लाती हुई बोली, आम के पेड़ को देखो कितना बड़ा हो गया है ना और कितनी सारी अंबिया लग रही है। हालांकि अंदर बहुत धूल मिट्टी जमी हुई थी फिर भी चुटकी और मंझले भैया यूं ही पूरे हवेली में घूम-घूम कर देख रहे थे। बचपन की ही बातें करते हुए मानो हम सब अपने बचपन को दोबारा से जी रहे थे।

घर की चाबी बड़े भैया के पास रहती थी। पूरे घर में खरपतवार उगी हुई थी। शायद बड़े भैया भी बाबू जी की मृत्यु के बाद पहली बार ही हवेली में आए थे। उन्होंने अंदर जाकर सारी चारपाइयां और पलंग हमने सबके बैठने के लिए निकाले। चारपाइयों पर अब भी बेहद धूल जमी हुई थी और लगभग हर चारपाई झूला सी बन चुकी थी। उनमें से भी एक टूटी हुई खटोले जैसी चारपाई को देखकर मंझला भैया बड़ी दीदी से बोला यही तेरा सिंहासन है ना जिस पर कि तू मुझे बैठने भी नहीं देती थी। हम सब भाई बहन हंस पड़े और सब पुरानी यादों में ही खोए हुए थे। तभी ताऊ जी का बेटा घर के सारे कागजात तैयार कर के ले आया था । दीदी के आंखों की कोरों में तो आंसू भी स्पष्ट थे। आज के बाद इस घर से हमारा सबका नाता ही टूट जाएगा। आज तक हम सब खुद का परिचय दिल्ली के इस गांव के नाम से देते हैं अब---? भाई साहब इधर साइन कर दो, ताऊ जी के बेटे की इस आवाज से हम सब की तंद्रा टूटी। भाई साहब ने पेन हाथ में लिया, हम सब की ओर देखा और फिर बोले, मैं इस घर को बेचना नहीं चाहता। हम सब ने भाई साहब की और प्रश्नसूचक दृष्टि से देखा। तभी ताऊ जी के बेटे ने हैरान होकर कहा तो फिर? भाई साहब आप बाहर पता कर लो इससे ज्यादा पैसे गांव में और कोई नहीं दे पाएगा। मैं तो सिर्फ इसलिए इस घर को लेना चाहता हूं क्योंकि मेरे दोनों बेटे जिसमें से कि एक तो डॉक्टर है वह यहां पर अपनी क्लिनिक चला लेगा और दूसरा बेटा जो कि अपनी कोचिंग क्लासेस लेता है वह भी इसी हवेली में ही बच्चों को पढ़ा लेगा। मेरे तो यह घर साथ में लगा हुआ है, इसलिए ही तो मैं इसे खरीदना चाहता हूं और --? तभी भाई साहब बोले, मैंने यह कब कहा कि मैं तुझे घर नहीं दूंगा। मैं तो सिर्फ इतना ही चाहता हूं कि इस घर में आप लोग आराम से कोचिंग भी चलाओ और क्लीनिक भी बनाओ। निखिल भाई इस घर में हमारे माता-पिता की मूर्ति लगेगी और उनके नाम से ही कोचिंग और क्लीनिक भी चलेगी। आप तो बस हमें सिर्फ इतना वचन दो कि पूरे दिन में एक घंटा उनके नाम से आप गरीबों को मुफ्त दवाई देंगे और उनको पढ़ाई भी करवाएंगे। यदि आपको ऐसा करने के लिए कुछ पैसों की भी आवश्यकता हुई तो मैं वह भी दे दूंगा, लेकिन इस घर में हमारा नाम और हम सब की पहचान हमेशा बनी रहनी चाहिए। हमारे बच्चों को और सबको अपने गांव का पता हमेशा याद रहना चाहिए। यह हवेली नहीं हम सब का तीर्थ स्थल है। हमारे बच्चों को भी पता होना चाहिए कि उनके माता-पिता कहां रहते थे। आज हम सब को यहां आकर बहुत अच्छा लगा है।' भैया ने ताऊजी के बेटे से कहा निखिल भाई यह जो चारपाई खटोला बन चुकी है इसे फिर से बनवाकर आंगन में ही डलवा देना। ऐसा बोलकर भाई साहब ने हम सब की ओर देखा। उनके इस सुझाव पर हम सब ने मौन स्वीकृति दे दी थी और आज का दिन हमारे लिए बहुत खास था। ऐसा महसूस हो रहा था मानो अम्मा बाबूजी हमारे बीच में ही बैठे हैं।

(लेखिका वरिष्ठ साहित्यकार हैं)

ग़ज़ल | **श्रीभगवान बव्वा**

दौर बदलेगा

दौर बदलेगा फिजाएँ भी सुहानी शाम देंगी,
राह पर बढ़ते रहो तुम, मंजिलें आराम देंगी ।

है नहीं मुश्किल डगर यह हौसले से काम ले लो,
हिम्मतें ही कह रहे सब, साँसों का ईनाम देंगी ।

आपकी उलझी लटों का है समय कुछ कीजिएगा,
उलझनें अब भी बढ़ी तो जिन्दगी को थाम देंगी।

महफ़िलों में है ज़रूरी आना-जाना छोड़ दो तुम,
होश उड़ जायेंगे तेरे, महफ़िलें वो जाम देंगी ।

है जहाँ भी तू ठहर जा, जीतना जो चाहता है,
कोशिशें हम सब करेंगे, तो बड़ा अंजाम देंगी।

लघुकथा | **संध्या प्रकाश**

सुलह

रोज-रोज के झगड़े अब मैं बर्दाश्त नहीं कर सकती। तुम्हारे जैसे गुस्सैल आदमी के साथ मुझे निकाह के लिए अपनी रज़ामंदी नहीं देनी चाहिए थी तल्ख़ आवाज़ में शबीना बोली। 'फिर यहाँ क्यों बैठी हो। चली क्यों नहीं जाती।' शमशेर ने भी गरज़ते हुए जवाब दिया। तैश में शबीना ने कुछ सामान और कपड़े झोले में भरे और रोते हुए बोली 'मुझे मेरे अब्बू-अम्मी के घर पहुँचा दो। मुझे तुम्हारे जैसे शौहर के साथ एक पल भी इस दोज़ख में नहीं रहना है।' शमशेर ने भी दनदनाते हुए दरवाज़े पर खड़े अपने साइकिल-रिक्शा को निकाला और गुस्से में बोला, 'मेरे ऊपर तेरा ये रौब नहीं चलेगा। रिक्शा में बैठो... आज तुझे तेरे नैहर छोड़ आता हूँ।' बाहर गर्म लू चल रही थी। पारा 40 डिग्री के पार था। पसीने और गर्मी से शबीना का बुरा हाल था। उसने शमशेर की तरफ़ देखा। शमशेर अपनी धुन में रिक्शा चलाए जा रहा था। उसका शरीर पसीने से लथपथ था। शबीना को अपने बर्ताव पर अफ़सोस हुआ। उसने झोले में से छतरी निकाली और शमशेर के सिर पर तान दी। शबीना के इस रूप को देख शमशेर बोला 'शबीना, मुझे माफ कर दे। अब मैं तुझ पर गुस्सा नहीं किया करूँगा। तू भी मुझसे प्यार से बात किया कर।' शबीना हौले से मुस्कुरा दी। शमशेर ने रिक्शा घर की तरफ मोड़ दिया।

कुण्डलिया छंद | **डॉ. राजेन्द्र कुमार अवस्थी**

होने लागीं रैलियाँ

होने लागीं रैलियाँ, बड़ी-बड़ी अब आम।
आती रही चुनाव में, रैली सबके काम॥

रैली सबके काम, काम ये चोखा करतीं।
हरियाणे में नित्य, जोश जनता में भरतीं॥

देना वोट जरूर, चले मत जाना सोने।
दिवस मई पच्चीस, चुनाव यहाँ पर होने॥

रैली में दिखला रहे, नेता अपना जोर।
विविध चुनावी रूप में, मचा हुआ अब शोर॥

मचा हुआ अब शोर, वोट की महिमा न्यारी।
जता रही है भीड़, कौन का पल्ला भारी॥
देना उसको वोट, बने जो देश रचेता।
प्रगति देश में खास, माइने रखता नेता॥

लघुकथा | **राकेश कुमार सपड़ा**

दूसरा पहलू

उसका बायां बाजू पेट के साथ चिपका हुआ था और वो मुश्किल से स्टिक के सहारे से लड़खड़ाते हुए चल कर आया था। जैसे ही वो शहर के जाने माने वकील मनोज अवस्थी के दफ्तर में उनके सामने कुर्सी पर आ कर बैठा तो पुरानी सारी यादें चलचित्र की भांति उनके विचार पटल से होकर गुजरी थी। वो और कोई नहीं विनीत था जो एक समय उनके पास जूनियर रह कर वकालत सीखा था। कुछ ही समय मे वो उनका चहेता और परिवार के सदस्य जैसा बन गया था। बेहद कुशल और पेशे के प्रति समर्पित। थोड़े ही समय मे वो वकालत के गुर सीख गया था। ये मनोज अवस्थी ही थे जिन्होंने उसकी शादी अपने पहचान वाले हरिशंकर की बेटी पायल से करवाई थी। पायल भी बहुत सुशील थी। दोनों की जोड़ी बेहद खूबसूरत थी। बाद मे विनीत ने अपने शहर मे जाकर वकालत शुरू करने की इजाजत मांगी थी और अवस्थी जी ने भी उसे खुशी-खुशी शुभकामनाएँ दे कर विदा किया था। विनीत ने अपनी लगन व मेहनत से चंद वर्षों में वकालत में अच्छा नाम कर लिया था, जिसकी खबर उनको मिलती रहती थी। विनीत को इस हालत में देखकर अनायास ही उनकी जुबान से निकला 'ऐसा कैसे? तुम तो अच्छा कर रहे थे?' 'डेस्टिनी को शायद यही मंजूर था सर मेरा वकालत का सफर यही तक था। मुझे पैरालैटिक अटैक हुआ तथा बायें हिस्से ने काम करना बंद कर दिया। वकालत छूट गई सर। कई महीने बिस्तर पर ही गुजरे हैं। ये तो भला हो फ़िज़ियोथेरेपिस्ट का जिसकी वजह से स्टिक के सहारे अब कुछ चल पाता हूँ।' विनीत ने लड़खड़ाती जुबान से जवाब दिया था। 'पायल नहीं आई तुम्हारे साथ।' उन्होंने पूछा था। 'नहीं सर वो तो नहीं आई किन्तु उसकी वजह से मैं आपके पास आया हूँ।'₹ ये कह कर विनीत ने कुछ पेपर आगे कर दिए थे। वो पायल द्वारा भेजा गया कानूनी नोटिस था, जिसमें उसने विनीत से तलाक लेने की माँग की थी। पढ़ कर अवस्थी जी के चेहरे पर परेशानी के भाव उभर आये थे।' सर मैंने भी अब ये फैसला लिया है कि पायल को तलाक दे दूं मेरे पास अब उसे देने को कुछ नहीं है और मैं उस पर बोझ बनकर नहीं जीना चाहता हूँ। पिता जी तो नहीं रहे माँ के साथ रहकर ही जैसे- तैसे गुजारा कर लूँगा। मुझे भी अब उसकी जरूरत नहीं है। आप पायल को बुलाकर मेरे इस फ़ैसले बारे बता दें। हम आपसी रजामंदी से तलाक ले लेंगे आपकी कृपा होगी।' विनीत ये कह कर चला आया था। पायल अवस्थी जी के सामने बैठी थी। उन्होंने ही उसे बुला भेजा था। अवस्थी जी ने सारी बात उसके समक्ष रखते हुए कहा 'मुझे तुमसे कदापि ये उम्मीद नहीं थी।' पायल के चेहरे पर हल्की सी मुस्कान उभर आई थी। 'आप भी मुझे विनीत की तरह समझ नहीं पाए सर। मैं विनीत को पल-पल निराशा के साथ जीते देखना नहीं चाहती थी। वो बिस्तर पर पड़ा रहकर जिंदगी को कोसता रहता था। किसी इलाज का कोई असर उस पर नहीं हो रहा था। वो इस कदर अवसाद में जा रहा था कि उसे ये शॉक देना जरूरी था।मैं उसको छोड़ कर भले ही आ गई थी, किन्तु मेरा प्यार उसके प्रति कभी कम नहीं हुआ। मैं हमेशा उस फ़िज़ियोथेरेपिस्ट के सम्पर्क में रही हूँ जो उसका ट्रीटमेंट कर रहा है। नोटिस भी इसलिए भेजा था कि वो जिंदगी के प्रति अपनी निराशा की सोच से निकल कर फिर से उठ खड़ा हो। आज मुझे लगता हैं कि मैं अपने मकसद में कामयाब रही हूँ। जल्द ही वापस लौट जाऊँगी सर।' अवस्थी जी के चेहरे पर भी संतोष के भाव थे। बरबस ही उनका हाथ पायल के सिर पर आशीर्वाद के लिए उठ आया था। सिक्के का ये दूसरा पहलू उनकी सोच से परे निकला था।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

श्रेष्ठ साहित्य के सृजन के लिए आपको अधिक से अधिक अध्ययन करना पड़ेगा, तभी आप एक कालजयी साहित्यकार बन सकते हैं। वरिष्ठ साहित्यकारों का भी दायित्व है कि वे युवा पीढ़ी को आगे रखें, नवांकुरों को अपने सहयोग का जल सिंचन करें.. ताकि वे पल्लवित पुष्पित हो सके। युवा रचनाकारों को मंच देकर, पत्रिकाओं में उनकी रचनाओं को स्थान देकर और उन्हें प्रोत्साहित करके, सम्मानित करके, श्रेष्ठ साहित्य को बढ़ावा दिया जा सकता है।

साक्षात्कार | **शशि कांत चौहान**

साहित्य सृजन के अभाव में जीवन में शुष्कता आती: डॉ. चंद्रदत्त शर्मा

साहित्य केवल चित्रण नहीं करता ,वर्णन ही नहीं करता, बल्कि समाज कैसा होना चाहिए इस बात पर ध्यान देता है और दिलाता है। इस कारण अगर साहित्य का सृजन नहीं हो पाता या युवा वर्ग उसमें रुचि नहीं ले पाता तो यह समाज से नैतिकता के पतन का कारण बन सकता है। साहित्य सृजन के अभाव में समाज व जीवन में शुष्कता आ सकती है। यह कहना है कवि डॉ. चंद्रदत्त शर्मा चंद्रकवि का।

मडॉ. चंद्रदत्त शर्मा को साहित्यिक संस्कार विरासत में मिले हैं। उनके दादाजी माया चंद हरियाणवी वाद्य घड़वा बजाते थे। पिताजी बैंजो, हरमोनियम और सामाजिक और भक्तिपूर्ण मधुर भजन गाते रहे हैं। इसके अतिरिक्त दादा रतिराम मास्टर तो भजनी जगदीशचंद्र वत्स आंचरा के गुरु रहे हैं। चंद्रदत्त भी कक्षा 5वीं से कुछ जोड़-तोड़ करने लगे थे। उन्होंने मैथिलीशरण गुप्त की मातृभूमि कविता को हरियाणवी में अनुवाद कर गाया था। आठवीं कक्षा में निबंध लेखन में विद्यालय में प्रथम रहे। 11वीं (1991) में ठीक से कविता लिखने लगे थे। रुचि उतनी थी कि एमए की परीक्षा के समय में रातभर कविता लिखते रहे और उस वर्ष उन्होंने 300 कविताएं लिखी।

उनकी प्रथम कविता 'गौरव गाथा' 1993 में गौड़ कालेज की पत्रिका में भेजी गई थी, इसके अतिरिक्त कई रचनाएं सांध्य दैनिक में छपती रहीं। शुरूआत में वे परिवार वालों से छिपकर लिखते थे। जब घरवालों को पता चला, वे इस कला के विरुद्ध थे, परंतु पिताजी ने उनकी 2 पुस्तकें (भारतभूमि, भारतेंदु काव्य) छपवाई थी। प्रारंभ में चंद्रदत्त शर्मा ने अपनी भैंस पर कविता लिखी, फिर पूरे गांव पर, गांव के अविवाहितों पर रागनी लिखी। तालाब पर बैठकर कविताएं सुनाता था, तब उनकी भैंस भी गुम हो जाती थी। वर्ष 1998 में जब वे एम. ए. हिंदी में थे, राष्ट्रीय वीररस कवि सम्मेलन एमडीयू में था.. जिसमें राजकवि उदयभानु हंस और हरिओम पंवार थे। 'घायल हैं सब' कविता प्रस्तुत की थी। डॉक्टर पूर्णचंद शर्मा और प्रो. नरेश मिश्र ने कला के निखार में बहुत सहयोग किया। बाद में डॉक्टर मधुकांत जी ने भी पूर्ण सहयोग किया। रचनाएं छपने में और मंच न मिलने की पीड़ा ने आहत भी किया। एक गोष्ठी में गए, पर सुनाने का मौका नहीं दिया गया। जिस कारण प्रतिकार स्वरूप और नए साहित्यकारों के लिए भी (शैली साहित्यिक मंच) रजिस्टर कराया। साहित्य सोम त्रैमासिक निःशुल्क पत्रिका प्रारंभ की। उनके लेखन का फोकस सामाजिक विषमता ही रहा है। हास्य कविताओं में भी कहीं ना कहीं व्यंग्य ही निहित होता है। उनकी कला के विविध क्षेत्र रहे हैं, जैसेः हरियाणवी भजन, हरियाणवी कविता, हास्य कविता, हास्य व्यंग्य निबंध, लघुकथा, कहानी, संस्मरण आदि। पत्र पत्रिकाओं के अतिरिक्त आकाशवाणी रोहतक से युवा संसार में भी 12 वर्ष तक उनकी कविताओं का पाठ होता रहा है।

उनका कहना है कि आज साहित्य लेखन के साथ-साथ पाठक वर्ग की भी समस्या रही है। पाठकों के पास समय का अभाव है, कारण चाहे कोई भी हो लेकिन इसके लिए कहीं ना कहीं साहित्यकार भी जिम्मेदार है। साहित्यकार का दायित्व है कि वह राजनीति, जाति- धर्म आदि से ऊपर उठकर ऐसे साहित्य का निर्माण करें जो सार्वभौमिक और सर्वहित में हो। आज लेखन तो बहुत हो रहा है, लेकिन उसमें गुणवत्ता और गहनता की कमी है इस कारण लेखक को गहन अध्ययन के उपरांत ही अपना लेखन कार्य प्रारंभ करना चाहिए। ऐसी बात नहीं है कि युवा वर्ग लिख नहीं रहा है ,वह लिख तो रहा है लेकिन जो लिखना चाहिए वह लिख नहीं पा रहा है, उसकी अपनी समस्याएं हैं, कहीं बेरोजगारी तो कहीं पारिवारिक समस्याएं हैं । दूसरा कारण यह है कि जो लिख रहा है ..वह उस साहित्य को जी नहीं रहा है और सस्ती लोकप्रियता में खो जाता है,जो साहित्यकार अनुभव करेगा उसकी अनुभूति गहन होगी और जिसकी अनुभूति गहन होगी उसका साहित्य नया पाठक वर्ग तैयार करेगा और पाठकों में रुचि पैदा कर सकेगा।

प्रकाशित पुस्तकें

जहां तक पुस्तक प्रकाशन और लेखन का विषय है, डॉ. चंद्रदत्त शर्मा चंद्रकवि अब तक कुल 45 पुस्तक लिख चुके हैं, जिनमें 13 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। उन्होंने कई पुस्तक का संपादन भी किया है और 35 साझा-संग्रह भी निकाले हैं। इसकेसाथ साथ उन्होंने 30 शोधपत्र भी लिखे हैं। 10 राष्ट्रीय संगोष्ठियों में भाग लिया है। देशभर की 70 पत्र - पत्रिकाओं से अधिक में रचनाएं प्रकाशित हुई हैं। हरिगंधा, हरिभूमि, के अतिरिक्त प्रमुख पत्रों में रचनाएं प्रकाशित हुई हैं। हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा भी पुस्तक प्रकाशित कराई गई है। डॉ. चंद्रदत्त शर्मा चंद्रकवि की कई रचनाएं विश्व रिकॉर्ड में भी संकलित की गई हैं।

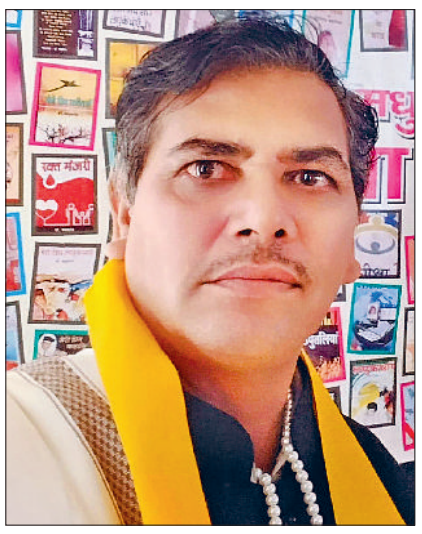

डॉ. चंद्रदत्त शर्मा चंद्रकवि

पुरस्कार व सम्मान

जहां तक सम्मान की बात है अनेक साहित्यिक संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया गया। लगभग 300 सम्मान जो राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर के हैं; सम्मानित किया गया है। जैसे: अखिल भारतीय साहित्य परिषद द्वारा साहित्य सम्राट, साहित्य भूषण, साहित्य रत्न , भागलपुर हिंदी विद्यापीठ द्वारा विद्या वाचस्पति सम्मान, शिक्षाभूषण सम्मान, विकी वर्ल्ड रिकॉर्ड, लंदन वर्ल्ड रिकॉर्ड, समाज सारथी सम्मान, हरिवंश राय बच्चन सम्मान, डॉक्टर राधकृष्णन सम्मान, फणीश्वरनाथ रेणु सम्मान, सुमित्रानंदन पंत स्मृति सम्मान आदि।

व्यक्तिगत परिचय

नाम: डॉ. चंद्रदत्त शर्मा चंद्रकवि
जन्मतिथि: 22.04.1973
जन्म स्थान: ग्राम ब्राह्मणवास रोहतक हरियाणा।
शिक्षा: एम. ए. हिंदी, एमफिल, पीएच. डी. हिंदी, बी. एड, विद्या वाचस्पति।
संप्रतिः हिंदी प्राध्यापक, राजकीय वरिष्ठ मा. विद्यालय घड़वाल, सोनीपत, हरियाणा।

मरहम का काम करती पुस्तक 'बारिश की बूँदें'

निशा भास्कर

पुस्तक : बारिश की बूँदें
लेखक : निशा भास्कर
मूल्य : 249 रुपये
प्रकाशक : किताबघर

पुस्तक समीक्षा | **मनोरमा पंत**

आज पूरे विश्व में बिखराव, खोखलापन, हीनता, कुंठा का भाव आता जा रहा है, ऐसे नैराश्य भरे वातावरण में निशा भास्कर की लघुकथा संग्रह 'बारिश की बूँदे' मरहम का काम करती हैं। निशा की लघुकथाएं आज के त्रस्त मानव के मानस को न केवल ठंडक पहुँचा रही हैं वरन समाज में व्याप्त विसंगतियों से लड़ने का हौंसला भी देती हैं। कुल 84 लघुकथाओं के इस गुलदस्ते के आत्मकथन में निशा भास्कर ने लघुकथा की परिभाषा, इतिहास, प्रकार, प्रयोगवादी लघुकथा लेखन पर समुचित प्रकाश डालकर एक सराहनीय कार्य किया है। 'बारिश की बूँदें' पढ़कर मुझे महसूस हुआ कि लघुकथाओं के माध्यम से हम समाज को पुनः साहित्य और संस्कृति से जोड़ सकते हैं। इस लघुकथा की पहली लघुकथा 'स्वीकार' प्रतिनिधि कहानी है। जिसमें गरीब परिवार का रोहन कुंठाग्रस्त होकर अपने आप को एक रईस बतलाता है, पर अंत में वह अपनी गलती स्वीकार कर,एक नया दृष्टिकोण अपना कर हीनता की ग्रंथि से छुटकारा पा लेता है। लघुकथा में शब्दों के संयोजन से भाषा शैली में अद्भुत सौन्दर्य पैदा करना इस लघुकथा की विशेषता है। 'कुदूस' उनकी एक अन्य सुन्दर लघुकथा है, जिसमें कुदूस नामक मुस्लिम बच्चा अपनी दादी का कंघा हिला-हिलाकर बोलता है। दादी मत रो! मेरी मैडम कहती है, अल्लाह और कान्हा दोनों ही रहमान है। दोनों अंदर से बिल्कुल एक समान है, बस नाम का फर्क है।' आज के युग में जब धर्मान्धिता सिर पर चढ़कर बोली रही है। यह लघुकथा एक मरहम का काम करती है। 'क्या-क्या करूँ' बच्चों के मनोविज्ञान पर आधारित लघुकथा बालमन की दुविधा को उजागर करती हैं। 'कड़ी' नामक लघुकथा में संवेदना की पराकाष्ठा है। 'इन्द्रधनुष' भी गरीबी की त्रासदी से उपजी विडम्बना को उजागर करती सीधी सरल भाषा शैली की लघुकथा है। एक छतरी के लिए तरसते गरीब बिरजू को मजबूर माता-पिता जैसे-तैसे छतरी दिला देते हैं,तो बच्चे की खुशी से चमकती आँखें माँ को खुशी से सरोबार कर देती है। कई लघुकथाएँ उपदेशात्मक हो गई।'निपटारा' लघुकथा के शीर्षक के विषय में पुनः विचार किया जा सकता है। कुल मिलाकर इस संग्रह की प्रतिनिधि लघुकथाएं अपना प्रभाव छोड़ने में सफल रही है ।इन छोटी-मोटी कमियों के बावजूद 'बारिश की बूँदें' पाठकों को अवश्य पसंद आएगी, ऐसी मुझे पूर्ण आशा है।

खबर संक्षेप

खाद-बीज विक्रेताओं की एसोसिएशन गठित

रेवाड़ी। रविवार को रेवाड़ी-महेंद्रगढ़ जिले के सभी खाद-बीज विक्रेताओं की बैठक बावल रोड बिठवाना में हुई। बैठक में पायनियर बीज विदेशी कंपनी के प्रति रोष प्रकट किया गया। बैठक में रेवाड़ी व महेंद्रगढ़ जिले से करीब 190 खाद-बीज विक्रेता शामिल हुए। इस मौके पर हरियाणा खाद बीज एसोसिएशन के गठन करने की सहमति बनी। सभी ने विदेशी कंपनी के बीज नहीं बेचने की शपथ भी ली।

16 सदस्यों की कमेटी बनाई : राकेश प्रधान बालधन, हेमंत कुंड, राजकुमार मेहता बावल, प्रवीण नंदरामपुर बास, जितेंद्र सीहा, संजय यादव बिठवाना, अशोक कोसली, रोशनलाल कौशिक झाडौदा, लक्ष्मण सिंह खोल, श्योप्रसाद गढ़ी बोलनी, देवेंद्र पाल्हावास, धर्मपाल मंदोला, मनीष रेवाड़ी, सुनील नांगल मूंदी, मुकेश बब्बा, नवीन डहीना तथा राजेश टांकड़ी को शामिल किया गया। सभी ने निर्णय लिया कि भविष्य में सभी विक्रेता एसोसिएशन के आदेश अनुसार कार्य करेंगे।

पोलिंग पार्टियों को प्रशिक्षण में ईवीएम व वीवीपैट की बारीकियों से कराया अवगत

ईमानदारी व निष्ठा से चुनावी ड्यूटी का सभी पोलिंग पार्टियां निर्वहन करें : एआरओ

रेवाड़ी विस क्षेत्र का प्रशिक्षण राव तुलाराम स्टेडियम, कोसली विस क्षेत्र का प्रशिक्षण जैन स्कूल व बावल विस क्षेत्र का प्रशिक्षण स्वरांजलि स्कूल बिठवाना में दिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी। ईवीएम व वीवीपैट की जानकारी लेती पोलिंग पार्टी तथा पोलिंग पार्टियों को जानकारी देते हुए एसडीएम। फोटो : हरिभूमि

जिला प्रशासन की ओर से 25 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर मतदान की सभी तैयारियां सुनिचित की जा रही हैं। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी राहुल हुड्डा की देखरेख में रविवार से पोलिंग पार्टियों का प्रशिक्षण कार्य शुरू कर दिया गया है, जिनको विधानसभा स्तर पर संबंधित सहायक निर्वाचन अधिकारी एवं एसडीएम की ओर से आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा रहे हैं। रेवाड़ी विधानसभा क्षेत्र का प्रशिक्षण राव तुलाराम स्टेडियम में एआरओ एवं एसडीएम विकास यादव की अध्यक्षता, कोसली विस क्षेत्र का प्रशिक्षण जैन स्कूल में एआरओ व एसडीएम उदय सिंह तथा बावल विस क्षेत्र का प्रशिक्षण स्वरांजलि स्कूल बिठवाना में एआरओ एवं एसडीएम मनोज कुमार की मौजूदगी में दिया जा रहा है।

बूथ के अंदर न हो किसी राजनेता की तस्वीर

इस अवसर पर एसडीएम विकास यादव ने कहा कि शांतिपूर्ण, स्वच्छ, निष्पक्ष, भयमुक्त वातावरण में चुनाव संपन्न कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और यह तभी संभव है जब बूथ पर मौजूद प्रत्येक अधिकारी व कर्मचारी अपने कार्य का निर्वहन पूरी निष्ठा व ईमानदारी के साथ करे। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारी चुनाव के लिए शारीरिक रूप के साथ-साथ अपने आप को मानसिक रूप से भी तैयार रखें। उन्होंने कहा कि लोकसभा आम चुनाव हमारे लिए खुद को बेहतर साबित करने व आत्मसंतुष्टि का सुखद अवसर है। एसडीएम ने कहा कि चुनाव सामग्री को संभालने के बाद पोलिंग पार्टी को अपने बूथ पर जाकर सबसे पहले बूथ का निरीक्षण करना चाहिए। बूथ के अंदर किसी राजनेता की तस्वीर नहीं होनी चाहिए। कोई तस्वीर है तो उसे ढक दें या फिर कहीं और रखवा दें। मतदान केंद्र में ईवीएम मशीन का स्थान खिड़की से दूर होना चाहिए, जिससे कि मतदान की गोपनीयता बनी रहे। यह ध्यान रखे कि प्रत्येक मतदाता ईवीएम का बटन स्वयं दबाए। कोई मतदाता कुछ पूछता है तो उसका जवाब बूथ पर नियुक्त पोलिंग पार्टी के सदस्य दे सकते हैं। मतदाता के साथ कोई दूसरा आदमी ईवीएम के समीप न जाए।

सुबह सात बजे शुरू कर दें मतदान

एएआरओज ने बताया कि पोलिंग पार्टी यह सुनिश्चित कर लें कि मतदान सुबह सात बजे हर हाल में शुरू हो जाना चाहिए। ऐसे में मतदान से संबंधित मॉक पोल प्रक्रिया सुबह 5:30 बजे शुरू करा दें। उन्होंने कहा कि मतदान प्रक्रिया शाम 6 बजे तक जारी रहेगी। इस समय कुछ मतदाता कतार में लगे हुए हैं तो उनको लाइन में पीछे खड़े मतदाता को पर्ची क्रमांक एक से शुरू कर पहले व्यक्ति तक पर्ची नंबर बांट दें, जिससे कि और आदमी लाइन में लगकर खड़े न हों। उन्होंने कहा कि बूथ पर जाकर प्रत्याशियों के पोलिंग एजेंट के फार्म पहले दिन ही भरवा लें। इसके लिए फार्म नंबर दस भरा जाएगा। यह प्रशिक्षण प्रक्रिया बुधवार 22 मई तक जारी रहेगी तथा शुक्रवार 24 मई को पोलिंग पार्टियों को अंतिम चरण का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

न्यूज डायरी

हांसाका स्कूल के मेरिट वाले विद्यार्थी हुए सम्मानित

रेवाड़ी। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक हांसाका में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया तथा शिक्षकों ने मेधावी विद्यार्थियों के साथ गांव में रैली भी निकाली। कार्यक्रम में हरियाणा बोर्ड दसवीं व बारहवीं में विद्यालय स्तर पर प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। विद्यालय से दसवीं में 3 व बारहवीं में 6 विद्यार्थियों ने मेरिट प्राप्त की है। कार्यक्रम में डा. प्रकाश वीर यादव सीनियर वेटरनरी ऑफिसर मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथि सरपंच हासांका सतपाल थे। कार्यक्रम में एसएमसी प्रधान नरेश कुमार व सदस्य भी उपस्थित थे। पूर्व प्राचार्य सुमेर सिंह व कंवर पाल सिंह ने अपने विचार साझा किए। कक्षा बारहवीं में प्रथम रीनू शर्मा, द्वितीय प्रियंका व तीसरे स्थान पर कुमकुम रही। दसवीं में प्रथम सोनिया, द्वितीय किरण व तृतीय स्थान पर सरिता रही। कुमकुम ने संस्कृत विषय व वंदना ने संगीत विषय में 100 में से 99 अंक प्राप्त किए। प्राचार्या डा. सरोज यादव ने सभी का आभार व्यक्त किया। उत्तरा यादव ने मंच संचालन किया। इस अवसर पर समस्त स्टाफ सदस्य मौजूद थे।

सेवानिवृत्ति से पूर्व डीईओ का स्कूल में किया सम्मान

नाहड़। शहीद धर्मसिंह राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय लुखी में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी महेन्द्र सिंह खनगवाल ने विद्यालय का कक्षा दसवीं एवं बारहवीं का परिणाम शानदार परिणाम रहने पर प्राचार्या उमा यादव एवं समस्त विद्यालय परिवार को बधाई दी। प्राचार्या, विद्यालय परिवार, सरपंच एवं खंड संसाधन समन्वयक डा. राजेन्द्र यादव ने डीईओ का विद्यालय में स्वागत किया। खंड संसाधन समन्वयक ने कहा कि जिला शिक्षा अधिकारी 31 मई को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। प्राचार्या उमा यादव एवं समस्त विद्यालय परिवार ने उन्हें पगड़ी पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट किया। कार्यक्रम संयोजन वरिष्ठ प्रवक्ता श्रीभगवान बव्वा ने किया। इस मौके पर गांव लुखी के सरपंच ओमप्रकाश सोलंकी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में जिला लेखा सहायक दिनेश सुरेहली, प्रवक्ता राजपाल यादव, अमित सोलंकी, अंजूबाला, सुनील कुमार, कैलाश चंद, डीपीई उमेद सिंह कैलाश चंद्र, सरोज यादव, मुकेश कोहारड, संजय शर्मा, एबीआरसी अंशु यादव, मनोज नठेड़ा, जितेन्द्र कुमार, कुलदीप सिंह, बलवान सिंह, कुलदीप यादव व धर्मा देवी मौजूद थे।

जमीन विवाद में युवक की हत्या के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ बावल

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी।

बावल थाना पुलिस ने गांव खेड़ी डालूसिंह में युवक की चाकू मारकर हत्या करने के मामले में शामिल एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान पवन सिंह निवासी गांव खेडी डालूसिंह के रूप में हुई है।

गांव खेड़ी डालूसिंह निवासी बलविंद्र सिंह भिवाड़ी की एक कंपनी में नौकरी करता है और उसका भाई दीपक जयपुर में कोचिंग करता है। 17 मई की रात को आरोपियों ने दो भाईयों बलविन्द्र व दीपक पर चाकू से हमला कर दिया था, जिससे दीपक की मौत हो गई थी। बलविन्द्र ने बताया कि उनका व उनके ताऊ के बेटे पवन कुमार का जमीन को लेकर आपस में विवाद चल रहा है। 17 मई को उसका भाई दीपक जयपुर से आया था। जब वह अपने भाई को बाइक पर बैठाकर रात करीब साढ़े 10 बजे अपने घर के पास पहुंचा तो उसकी बाइक की आवाज सुनकर आरोपी पवन सिंह, उसका बेटा विशाल सिंह और उसकी पत्नी घर से बाहर आ गए तथा विशाल ने चाकू से उसके भाई दीपक पर हमला कर दिया। जब वह अपने भाई को बचाने लगा तो आरोपियों ने उसके साथ भी मारपीट की। विशाल ने चाकू से उसके भाई दीपक की पीठ और छाती पर कई वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इलाज के दौरान उसके भाई दीपक की मौत हो गई। पुलिस ने थाना बावल में आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करके एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी में जुटी हुई है।

अनिल पाल्हावास बने कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता

रेवाड़ी। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी दीपक बाबरिया ने अनिल पाल्हावास को पार्टी का प्रदेश प्रवक्ता नियुक्त किया है। अनिल का चयन पार्टी में 'प्रतिभा से परिवर्तन' अभियान के तहत किया गया है। अनिल पाल्हावास केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह के खास समर्थक रहे हैं। कुछ माह पूर्व ही उन्होंने भाजपा छोड़कर पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा की अगुवाई में कांग्रेस ज्वाइन की थी। कोसली हलके में उनका अच्छा जनाधार माना जाता है। दीपक बाबरिया ने आशा व्यक्त की है कि वह पार्टी के आदर्शों और सिद्धांतों के अनुरूप चलते हुए पार्टी की विचारधारा को आमजन तक पहुंचाने की दिशा में पूरी क्षमता से कार्य करेंगे।

बिना अनुमति सड़क निर्माण कार्य कर रहे अफसर व श्रमिकों पर केस

सड़क पर वाहनों का लंबा जाम लग गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे पर बिना अनुमति सड़क निर्माण का कार्य कर रहे श्रमिकों और अफसर के खिलाफ यातायात अवरुद्ध करने का केस धारूहेड़ा पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस सहायता पोस्ट इंचार्ज एएसआई दलीप कुमार ने पुलिस शिकायत में बताया कि ट्रैफिक ड्यूटी करते हुए जब वह अपने स्टाफ के साथ खरखड़ा के निकट पहुंचा, तो नेशनल हाइवे पर लंबा जाम लगा हुआ था। सड़क पर निर्माणकार्य किया जा रहा था। वहां कोई साइन बोर्ड तक नहीं लगाया हुआ था, जिस कारण वाहनों का लंबा जाम लग गया। श्रमिकों के पास एनएचएआई का कोई अधिकारी भी नहीं था। जब श्रमिकों से सड़क निर्माण की परमिशन मांगी, तो उन्होंने बताया कि मौखिक आदेश के बाद सड़क पर कार्य किया जा रहा है।

पुलिसकर्मी का आरोप है कि साइन बोर्ड नहीं लगाकर श्रमिकों और संबंधित अधिकारियों ने नियमों को ताक पर रखते हुए काम किया, जिस कारण हाइवे से गुजरने वाले वाहन चालकों को जाम से परेशानी का सामना करना पड़ा।

दिव्यांगों व बुजुर्गो को घर से मतदान कराया

रेवाड़ी। जिले में 85 प्लस व 40 प्रतिशत बेंचमार्क दिव्यांगता वाले मतदाताओं की घर से मतदान करने का विकल्प दिया गया था। रविवार को तीनों विधान सभाओं में यह प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। बावल व कोसली में 453-453 दिव्यांग व 85 प्लस के बुजुर्गों तथा रेवाड़ी में 150 ने घर से मतदान करने का विकल्प चुना था। नगर योजनाकार विभाग के कनिष्ठ अभियंता धर्मपाल यादव ने टीम के साथ 85 प्लस आयु के बुजुर्गों व दिव्यांगों का बैलेट पेपर से मतदान कराया। चुनाव कर निष्पक्षता व पारदर्शिता के लिए संपूर्ण प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई गई।

कोसली स्कूल में 31 शिक्षकों ने लिया प्रशिक्षण

कोसली। खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय नाहड़ के नेतृत्व में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कोसली में चल रहे 4 दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण शिविर का समापन हो गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में खंड के 31 प्राथमिक अध्यापकों ने भाग लिया। समापन कार्यक्रम की अध्यक्षता खंड संसाधन समन्वयक डा. राजेंद्र यादव तथा प्राचार्य कोसली व एफएलएन कोऑर्डिनेटर जयसिंह एबीआरसी ने की। इस दौरान कृष्ण भारद्वाज भी उपस्थित थे।

विभिन्न मामलों में संलिप्त 17 आरोपी गिरफ्तार

- रविवार को जिले में अपराध नियंत्रण के लिए ऑपरेशन आक्रमण चलाया गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

जिला पुलिस की ओर से रविवार को जिले में अपराध नियंत्रण के लिए ऑपरेशन आक्रमण चलाया गया। एसपी शशांक कुमार सावन के मार्गदर्शन में चलाए गए अभियान में पुलिस ने विभिन्न अपराधिक मामलों में संलिप्त 17 आरोपियों को धर दबोचा। ऑपरेशन आक्रमण के इस विशेष अभियान के लिए सभी अपराध जांच शाखा, थाना व चौकी स्तर पर टीमों का गठन किया गया, जिसमें 199 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपराधियों पर कड़ा प्रहार करते हुए अलग-अलग मामलों में उपलब्धि हासिल की।

पुलिस ने इन मामलों में पाई कामयाबी

पुलिस ने आबकारी अधिनियम के तहत 2 मामलों में2 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनसे 22 बोतल व 1 पव्वा अवैध देशी शराब बरामद की। पुलिस ने जुआ अधिनियम के तहत एक मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार करके उसके कब्जे से 1930 रुपए की राशि बरामद की। थाना बावल में दर्ज हत्या के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया। जिला पुलिस ने 4 उद्घोषित व जमानोत्तर अपराधियों को धर दबोचने में सफलता प्राप्त की। इसके अलावा पुलिस ने अन्य पुराने आपराधिक मामलों में 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ऑपरेशन आक्रमण के दौरान थाना रोड़हाई में एक गुमशुदा बच्चे को भी परिजनों से मिलाया गया। पुलिस ने मोटर वाहन अधिनियम के तहत लेन ड्राइविंग की अवहेलना करने पर 7 वाहनों चालकों के चालान भी किए।

अपराधियों का कोई स्थान नहीं : एसपी

सर्च अभियान के दौरान पुलिस ने जुआ व आबकारी अधिनियम के तहत 3 मामले दर्ज किए है। पुलिस ने विभिन्न थानों में दर्ज मामलों में 17 आरोपियों को दबोच कर ऑपरेशन आक्रमण में सफलता प्राप्त की है। इस अवसर पर एसपी शशांक कुमार सावन ने अपराधियों को चेतावनी देते हुए कहा कि जिले में अपराधियों के लिए कोई स्थान नहीं है। सभी अपराधी सलाखों के पीछे जाने के लिए तैयार रहे। अपराधियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। एसपी ने आम नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि यदि उनके आसपास कोई संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु दिखाई दे या किसी व्यक्ति की नशीले पदार्थों का व्यापार करने के बारे में सूचना मिले तो इसकी सूचना तुरंत डायल 112 या अपने संबंधित पुलिस थाने में दें। सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम व पता गुप्त रखा जाएगा।

विकास माया हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया पैनलिस्ट नियुक्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

कुंड-मनेठी निवासी हरियाणा युवा कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता विकास माया को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व की ओर से हरियाणा कांग्रेस प्रदेश का प्रदेश मीडिया पैनलिस्ट नियुक्त किया गया है। विकास माया वर्तमान में आईआईटी रूड़की उतराखंड से पीएचडी कर रहे है। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव हरियाणा व दिल्ली कांग्रेस प्रभारी दीपक बाबरिया ने उनका नियुक्ति पत्र जारी किया। विकास माया करीब 10 सालों से छात्र राजनीति, युवा राजनीति व सामाजिक कार्यों में सक्रिय हैं। वर्तमान में विकास हरियाणा युवा कांग्रेस सोशल मीडिया विभाग के प्रदेश सह संयोजक व प्रदेश प्रवक्ता के रूप में काम कर रहे हैं। विकास इससे पहले भी प्रदेश प्रवक्ता व जिला संयोजक के रूप में काम कर चुके हैं।

उन्होंने बताया कि उदयपुर-संकल्प के उद्देश्यों को धरातल पर लाने के लिए प्रतिभा से परिवर्तन अभियान में सभी की हिस्सेदारी को सुनिश्चित करने के लिए कांग्रेस पार्टी लगातार काम कर रही हैं। उनका चयन एक प्रक्रिया के तहत जिसमें वाद-विवाद, चर्चा, सवाल-जवाब, समकालीन मुद्दों पर जानकारी व किसी विषय पर कांग्रेस पार्टी के विचार को मजबूती से रखने से हुआ है। इस प्रकिया में पार्टी के नेताओं व प्रवक्ताओं ने स्क्रीनिंग के बाद उनका चयन मीडिया पैनलिस्ट के लिए किया है।

कैंप में 118 की हुई जांच

रेवाड़ी। यादव कल्याण सभा की ओर से रविवार को गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्रीकृष्ण भवन में फ्री चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 118 मरीजों की जांच करके सभी को फ्री दवाईयां भी प्रदान की गई। डॉ एच आर यादव ने मेडिसिन, डॉ प्रशांत यादव ने हड्डीरोग, डॉ गौरव यादव ने सर्जरी, डॉ मनीष यादव ने ईएनटी, डा योगेन्द्र यादव ने चर्मरोग व डॉ कोमल यादव ने दंत रोग में ओपीडी सेवाएं प्रदान की।

नागरिकों को आवाज और अवसर देता मतदान : एडीसी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

अतिरिक्त उपायुक्त एवं स्वीप गतिविधियों की नोडल अधिकारी अनुपमा अंजलि ने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। यहां की संघीय सरकार प्रत्येक पांच वर्ष के अंतराल पर चुनाव के माध्यम से चुनी जाती है। देश के मतदाताओं की सरकार बनाने में सीधी भागीदारी होती है। एडीसी ने कहा कि भारतीय संविधान के अनुसार देश में नियमित, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव आयोजित करने का अधिकार निर्वाचन आयोग को प्राप्त है। चुनाव आयोजित करने एवं चुनाव के बाद के विवादों से संबंधित सभी विषयों को लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950

एवं लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 के अंतर्गत सम्मिलित किया गया है। मतदान जागरूकता अभियान हमें लोकतंत्र में मतदान के महत्व को समझने में मदद करता है। मतदान नागरिकों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेने के लिए आवाज और अवसर देता है। नोडल अधिकारी ने कहा कि मतदान सभी को सांझा लोकतंत्र में योगदान करने और सरकार को लोगों का अधिक प्रतिनिधि बनाने की अनुमति भी देता है। भारत में, कोई व्यक्ति 18 वर्ष का होने पर मतदान प्रक्रिया में भागीदार बन सकता है। हमें अपनी आवाज सुनने के लिए और यह सुनिश्चित करने के लिए मतदान करना चाहिए कि हम जो चाहते हैं उसे लागू किया जाए। मतदान उन मौलिक अधिकारों में से एक है जो हमारा देश हमें प्रदान करता है। इसलिए हम सभी आने वाली 25 मई को अपना मतदान जरूर करें और इस लोकतंत्र के महान पर्व का हिस्सा बनें।

पृथ्वीराज चौहान को जयंती पर किया याद

हरिभूमि न्यूज. रेवाड़ी

पृथ्वीराज चौहान भारतीय इतिहास में एक बहुत अविस्मरणीय नाम है। चौहान वंश में जन्मे पृथ्वीराज आखिरी हिन्दू शासक भी थे, जिन्होंने मात्र 11 वर्ष की आयु में अपने पिता की मृत्यु के पश्चात दिल्ली और अजमेर का शासन संभाला और उसे कई सीमाओं तक फैलाया भी था, लेकिन अंत में वह राजनीति का शिकार हुए और अपनी रियासत हार बैठे। उनकी हार के बाद कोई हिन्दू शासक उनकी कमी पूरी नहीं कर पाया। पृथ्वीराज को राय पिथोरा भी कहा जाता है। रविवार को संस्थाओं ने उनकी जयंती पर याद करते हुए अपने विचार व्यक्त किए।

- चौहान वंश में जन्मे पृथ्वीराज आखिरी हिन्दू शासक थे
- मोहम्मद गौरी व पृथ्वीराज चौहान के बीच कई युद्ध भी हुए

उनका जन्म 19 मई 1166 को गुजरात में हुआ था। पृथ्वीराज चौहान बचपन से ही एक कुशल योद्धा थे, उन्होंने युद्ध के अनेक गुण सीखे थे। उन्होंने अपने बाल्य काल से ही शब्दभेदी बाण विद्या का अभ्यास किया था। पृथ्वीराज के बचपन के मित्र चंदबरदाई उनके लिए किसी भाई से कम नहीं थे। पृथ्वीराज चौहान और उनकी रानी संयोगिता का प्रेम आज भी राजस्थान के इतिहास में अविस्मरणीय है। संयोगिता के पिता जयचंद्र पृथ्वीराज के साथ ईर्ष्या भाव रखते थे और पृथ्वीराज को नीचा दिखाने का मौका ढूंढते रहते थे।

पृथ्वीराज की सेना बहुत ही विशालकाय थी, जिसमें 3 लाख सैनिक और 300 हाथी थे। मोहम्मद गौरी व पृथ्वीराज चौहान के बीच कई युद्ध भी हुए। बताया जाता है कि मोहम्मद गौरी से युद्ध के पश्चात पृथ्वीराज को बंदी बनाकर उनके राज्य ले जाया गया। वहां उन्हें यातनाएं दी गई। चंदबरदाई के शब्दों पर शब्दभेदी बाण का उपयोग कर पृथ्वीराज ने भरी सभा में मोहम्मद गौरी की हत्या कर दी थी। कहा जाता है कि चंदबरदाई और पृथ्वीराज ने एक दूसरे की जीवनलीला 11 मार्च 1192 को समाप्त कर दी थी और जब संयोगिता को यह खबर मिली तो उसने भी अपना जीवन समाप्त कर लिया था।

राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने लू से बचाव के लिए जारी की एडवाइजरी

लू से बचाव के लिए सतर्कता व जागरूकता ही बेहतर उपाय: डीसी

- पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं-भले ही प्यास न लगी हो

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

जिला आपदा एवं प्रबंधन प्राधिकरण चेयरमैन एवं डीसी राहुल हुड्डा ने कहा कि गर्मी के मौसम में हवा के गर्म थपेड़ों और बढ़ते हुए तापमान से लू लगने का खतरा बढ़ जाता है, विशेषकर धूप में घूमने वालों, खिलाड़ियों, बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों को लू लगने का डर ज्यादा रहता है। लू लगने पर उसके इलाज से बेहतर है, हम लू से बचे रहें यानी इलाज से बचाव बेहतर है। उन्होंने कहा कि राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग हरियाणा द्वारा जनहित में लू से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी की गई है, जिसकी सभी को पालना करते हुए स्वास्थ्य सुरक्षा बनाए रखनी है।

लू से बचाव के लिए अपनाएं यह उपाय

डीसी ने बताया कि लू से बचाव के लिए स्थानीय मौसम संबंधी खबरों के लिए रेडियो सुनें, टीवी देखें, समाचार पत्र पढ़ें, गर्मी में हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें, अपना सिर ढककर रखें, कपड़े, हैट अथवा छतरी का उपयोग करें, पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं-भले ही प्यास न लगी हो, ओआरएस व घर में बने पेय जैसे लस्सी, तोरानी, नींबू पानी व छाछ का सेवन कर तरोताजा रहें। बच्चों को वाहनों में छोड़कर न जाएं उन्हें लू लगने का खतरा हो सकता है, नंगे पांव बाहर न जाएं, गर्मी से राहत के लिए हाथ का पंखा अपने पास रखें, काम के बीच में थोड़ा-थोड़ा विश्राम लें, खेत खलीहान में काम कर रहे हैं तो समय-समय पर पेड़ या छाया में ही आसरा लें। गर्मी के मौसम में जंक फूड का सेवन न करें। ताजे फल, सलाद तथा घर में बना खाना खाएं। खासतौर से दोपहर 12 बजे से सायं 4 बजे के बीच धूप में सीधे न जाए। यदि बच्चे को चक्कर आए, उल्टी घबराहट अथवा तेज सिरदर्द हो, सीने में दर्द हो अथवा सांस लेने में कठिनाई हो तो चिकित्सक को दिखाएं।

शिक्षा निदेशालय के निर्देशों का पालन करें स्कूल संचालक

डीसी ने बताया कि भीषण गर्मी के चलते हरियाणा शिक्षा निदेशालय ने स्कूलों की टाइमिंग में बदलाव किया है। इसको लेकर शिक्षा विभाग की ओर से पूरे प्रदेश के राजकीय व प्राइवेट स्कूलों के लिए नया टाइम टेबल जारी कर दिया गया है। शिक्षा विभाग ने मौसम को देखते हुए बच्चों को गर्मी व लू की विभीषिका से बचाने के लिए 31 मई तक स्कूलों की टाइमिंग में बदलाव किया है। इस नए आदेश के तहत एक शिफ्ट में चलने वाले स्कूलों की कक्षाएं सुबह 7 बजे से 12 बजे तक चलेंगी। इसके अलावा दोहरी शिफ्ट में चलने वाले स्कूलों की पहली शिफ्ट 7 बजे से 11:30 तक रहेगी और दूसरी शिफ्ट 11:45 से 4:15 तक रहेगी। डीसी हुड्डा ने सभी स्कूल संचालकों को हरियाणा शिक्षा निदेशालय की ओर से जारी किए गए निर्देशों का सख्ती व कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए है।

खबर संक्षेप

नशीला पदार्थ देने के आरोप में गिरफ्तार

रेवाड़ी। सिटी पुलिस ने नशीला पदार्थ गांजा मुहैया कराने के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। नारकोटिक सेल ने 17 मई को एक आरोपी को गांजे के साथ गिरफ्तार करने के बाद उसके साथ पूछताछ शुरू की थी। पूछताछ के बाद पुलिस ने योगेश उर्फ टकला निवासी अर्जुन नगर को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से 109 ग्राम गांजा बरामद हुआ है।

मारपीट के आरोप में दो महिलाएं गिरफ्तार

धारूहेड़ा। मीरपुर में मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पुलिस ने दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ित पक्ष के बयान पर गत 9 मई को केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी। जांच के बाद पुलिस ने मीरपुर निवासी शकुंतला व रीना को इस केस में गिरफ्तार कर लिया।

मारपीट व धमकी देने के आरोपी गिरफ्तार

कोसली। गूगोढ़ में मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पुलिस ने दंपति को गिरफ्तार कर लिया। पीड़ित पक्ष के बयान पर पुलिस ने 29 अप्रैल को केस दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस ने सुरेश और उसकी पत्नी वर्षा को गिरफ्तार किया है। एक अन्य मामले में पुलिस ने गढ़ी में रास्ता रोककर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में रणधीर को भी गिरफ्तार किया है।

अवैध शराब के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। थाना सदर पुलिस ने अवैध शराब के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार मुखबिर ने सूचना दी थी कि गोकलगढ़ निवासी मनिंद्र उर्फ पिंटर गांव के श्मशान घाट वाले रास्ते पर अवैध शराब बेच रहा है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर जाकर उसे काबू कर लिया। आरोपी के कब्जे से सात बोतल व 17 पव्वे अवैध शराब बरामद हुई।

पुलिस ने पकड़ी अवैध शराब

महेंद्रगढ़। गांव सुरहेती मोड़ियान में पुलिस ने अवैध शराब पकड़ी है। आरोपित पुलिस टीम को देखकर मौके से भाग गया। अज्ञात आरोपित पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सतनाली थाने की पुलिस की एक टीम गश्त पड़ताल पर थी। टीम जब सुरहेती मोडियान पहुंची तो, गांव के मोड़ पर पेड़-पौधों में एक व्यक्ति अवैध शराब बेच रहा था।

इस सप्ताह गर्मी से राहत की उम्मीद नहीं, कूलर और एसी की हवा भी गर्म

आठ साल बाद 46 डिग्री पारा सबसे गर्म दिन रहा रविवार

- बिजली की खपत ने भी तोड़ा रिकॉर्ड

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी। रविवार को सीजन के सबसे गर्म दिन में धूप से बचाव करती युवतियां तथा रविवार दोपहर को सूना पड़ा सरकुलर रोड। फोटो : हरिभूमि

मई माह के दूसरे पखवाड़े में गर्मी ने लोगों को बुरी तरह परेशान करना शुरू कर दिया है। तापमान 46 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है। इस सप्ताह गर्मी से राहत की कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही है। अगले दो-तीन दिन में पारा एक डिग्री तक और बढ़ सकता है, जिससे झुलसाने वाली गर्मी जमकर परेशान कर सकती है। 19 मई के दिन वर्ष 2016 के बाद पहली बार तापमान 46 डिग्री पर पहुंचा है। इसके अलावा दस साल में 2021 को 19 मई 24.5 डिग्री तापमान के साथ ठंडा दिन था। भारी गर्मी ने जन जीवन बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। अभी जल्द गर्मी से निजात मिलने के कोई संकेत नहीं हैं।

रविवार को आसमान में आंशिक बादल छाए रहने के बावजूद गर्मी का असर कम नहीं हुआ। अधिकतम तापमान 1 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि के साथ 46 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। न्यूनतम तापमान 0.2 डिग्री की वृद्धि के साथ 27.2 डिग्री पर पहुंच गया। वर्ष 2016 में आज के दिन 19 मई को तापमान 46 डिग्री सेल्सियस पर पहुंचा था। इसके बाद इस दिन तापमान लगातार कम रहा। भारी गर्मी के कारण जन जीवन बुरी तरह प्रभावित होने लगा है। शहर में जहां दोपहर के समय सड़क से लेकर बाजार तक में कर्फ्यू जैसे हालात नजर आने लगे हैं, तो ग्रामीण अंचल में भी लोग दोपहर के समय घरों से बाहर नहीं निकलते। रविवार को अवकाश का दिन होने के कारण चोरों ओर सब कुछ सूना नजर आ रहा था। लोग घरों से बाहर नहीं निकल रहे। सुबह और शाम के समय ही लोग बाजार में खरीददारी के लिए आते हैं। लू का प्रकोप शुरू होने के बाद लोगों में हीट स्ट्रॉक का खतरा भी बढ़ने लगा है। मौसम विभाग के अनुसार इस सप्ताह गर्मी से राहत की काई उम्मीद नहीं है। आसमान में आंशिक बादल छाते रहेंगे, लेकिन गर्मी में कमी नहीं आएगी। रविवार को शाम के समय भी आसमान में बादल छा गए, परंतु लू का असर कम नहीं हुआ।

19 मई को दस साल में यह रहा तापमान

वर्ष	अधिकतम तापमान	न्यूनतम तापमान
2015	43.5	25.5
2016	46.0	25.0
2017	40.2	26.5
2018	28.0	24.5
2019	38.0	20.0
2020	42.0	19.5
2021	24.5	21.5
2022	45.4	25.5
2023	39.5	24.5
2024	46.0	27.2

कूलर और एसी भी होने लगे फेल

हीट वेव का प्रकोप इतना बढ़ गया है कि दोपहर के समय भारी गर्मी के कारण कूलर और एसी भी फेल होने शुरू हो गए हैं। इनकी हवा भी अब गर्म होना शुरू हो गई है। मौसम विभाग के अनुसार इस सप्ताह अधिकतम तापमान 47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। इस स्तर तक तापमान पहुंचने के बाद लोगों को सुबह और शाम के समय भी भारी गर्मी का सामना करना पड़ेगा। रात का तापमान बढ़कर 30 डिग्री तक जा सकता है।

बिजली की खपत ने तोड़ा रिकॉर्ड

भारी गर्मी के कारण बिजली की मांग काफी बढ़ गई है। बिजली निगम ने शनिवार शाम तक 139.48 लाख यूनिट बिजली की आपूर्ति की, जो इस सीजन में सर्वाधिक है। बीते शुक्रवार को 134 और वीरवार को 118 लाख यूनिट बिजली आपूर्ति हुई। पर्याप्त उपलब्धता के चलते अभी पावर कट नहीं लग रहे हैं। बिजली की मांग दो-तीन दिन में और बढ़ सकती है। उसके बाद पावर कटों की शुरूआत हो सकती है।

शीतल पेय का बाजार होने लगा गुलजार

भारी गर्मी के कारण बाजार में शीतल पेय की डिमांड बढ़ने लगी है। गन्ने के जूस की दुकानों से लेकर शीतल पेय बेचने वाले दुकानदारों के पास ग्राहकों की अच्छी भीड़ देखी जा रही है। नारियल पानी की मांग भी बढ़ रही है, जिससे इसकी कीमत 70 रुपये तक वसूली जा रही है। मौसमी फलों के रूप में तरबूज और खरबूजा भी बाजार में खूब बिक रहा है। हरी सब्जियों की मांग बढ़ी है। भारी गर्मी में इन सब्जियों और फलों का इस्तेमाल डिहाइड्रेशन से बचाव करता है।

रेवाड़ी। तुलाराम पार्क में पौधरोपण करते हुए योग ग्रुप के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

पौधरोपण कर शत प्रतिशत मतदान की ली शपथ

हरिभूमि न्यूज. रेवाड़ी

शहर के नाईवाली चौक स्थित राव तुलाराम पार्क में योग ग्रुप की ओर से मतदान में शत प्रतिशत भागीदारी व पर्यावरण बचाने की मुहिम के तहत रविवार को पौधरोपण अभियान चलाया गया। योग गुरु प्रकाश सैनी के नेतृत्व में चलाए गए अभियान में करीब 50 छायादार पौधे रोपित करने के साथ उनके देखभाल की शपथ भी ली गई। सैनी ने बताया कि इस बार योग ग्रुप की ओर से 500 पौधों को लगाने का लक्ष्य रखा गया है। मानसून से पहले प्रत्येक वर्ष इस तरह का अभियान चलाया जाता है। सैनी फूड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया से सेवानिवृत्त होने के बाद लगातार 13 साल से राव तुलाराम पार्क में लोगों का स्वास्थ्य दुरुस्त करने के साथ-साथ पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस बार ग्रुप की ओर से पौधरोपण के लिए गड्ढा खुदाई के लिए एक नई मशीन भी खरीदी गई, जिसमें सुभाष सोनी का बड़ा योगदान रहा। उन्होंने कहा कि 25 मई को शत प्रतिशत मतदान के लिए भी पार्क में आने वाले नागरिकों को जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने शहर के सभी नागरिकों से 25 मई को होने वाले युनाव में बढ़ चढ़कर मतदान करने की अपील की। योग गुरु ने बताया कि पौधे हरित क्रांति देशी सामाजिक संस्था की ओर से उपलब्ध कराए गए हैं। कार्यक्रम में पर्यावरण प्रेमी सुभाष सोनी, हंसराज खंडूजा, योग ग्रुप के सदस्य एडवोकेट अमित कुमार, दीपक गोयल, राजीव भार्गव, पारस सोनी, शुभम सोनी, मास्टर अनिल कुमार व नमन सहित अनेक लोगों ने पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ 100 प्रतिशत मतदान में हिस्सा लेने की शपथ भी ली।

विद्यार्थियों ने नुक्कड नाटक से ग्रामीणों को वोट डालने के लिए किया प्रेरित

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी। नुक्कड़ नाटक का मंचन करती छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

मतदाता जागरूकता अभियान के तहत आमजन को मतदान करने के लिए प्रेरित करने की दिशा में जिला प्रशासन की ओर से प्रभावी कदम उठाए जा रहे है। विभिन्न प्रचार माध्यमों से मतदाताओं को जोड़ते हुए उन्हें आगामी 25 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव में मतदान करने के लिए जागरूक किया जा रहा है। लोकसभा आम चुनाव में बढ़चढ़कर मतदान करने व मतदान प्रतिशत को बढ़ाने के उद्देश्य से राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय करनावास के विद्यार्थी जिले भर में ग्राम व नगर के प्रमुख स्थानों पर नुक्कड़ नाटक कर जागरूकता फैला रहे है। विद्यार्थियों ने भाकली बस स्टैंड, तिकोना पार्क कोसली, बाबा मुक्तेश्वरपुरी मठ कोसली व नाहड़ में नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। रंगकर्मी सतीश मस्तान के निर्देशन में आयोजित नुक्कड़ नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों ने स्वीप अभियान के तहत आमजन को वोट डालने के लिए प्रेरित किया। छात्रा कोमल, रिया, चंचल, संजना, स्वीटी, किशन, रोहित, वंदना, निसीका, एकता व जिया ने लोगों को लोकतंत्र के महापर्व में बढ़चढकर मतदान करने का संकल्प दिलाया। इस अवसर पर मठाधीश महराज शिवपुरी जी महाराज, महेंद्र सिंह, पंडित गुरूदत्त, सुकर्मपाल, महावीर व नरेंद्र सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

श्रद्धालुओं ने मनाया मोहिनी एकादशी पर्व

रेवाड़ी। वैशाख मास की शुक्ल पक्ष की एकादशी, जिसे मोहिनी एकादशी भी कहा जाता है। रविवार को श्रद्धालुओं ने घटेश्वर महादेव मंदिर, सोलहराही भूतेश्वर मंदिर, नई अनाजमंडी शिव मंदिर, सेक्टर-3 श्रीकृष्ण मंदिर व मॉडल टाउन राधा-कृष्ण मंदिर सहित सभी मंदिरों में भगवान विष्णु व लक्ष्मी की पूजा-अर्चना कर पर्व को धूमधाम से मनाया। मोहिनी एकादशी को सभी एकादशी तिथि में विशेष माना गया है। श्रद्धालुओं ने दैनिक कार्यों से निवृत होकर व्रत रखकर भगवान विष्णु व माता लक्ष्मी की विधि-विधान के अनुसार पूजा-अर्चना की। ज्योतिषाचार्यों का कहना है कि मोहिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु ने समुद्र मंथन के दौरान निकले अमृत कलश को असुरों से बचाने के लिए मोहिनी अवतार धारण किया था।

आरती राव ने राज बब्बर को बताया मुसाफिर बोली इनका नहीं होता कोई ठोर ठिकाना

- खोल क्षेत्र के गांवों में चुनावी सभाओं में बोली आरती राव
- राव इंद्रजीत ने वर्तमान सुधार दिया है, अब भविष्य संवारना बाकी है

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी/गुरुग्राम

मुसाफिर हूं यारो, ना घर है न ठिकाना, मुझे चलते है जाना, बस चलते जाना---- बेशक ये बोल एक फिल्मी गाने के हैं, लेकिन भाजपा प्रत्याशी राव इंद्रजीत सिंह की बेटी आरती राव ने इस गीत को कांग्रेस प्रत्याशी राज बब्बर से जोड़दिया। खोल क्षेत्र के गांवों में चुनाव सभाओं में आरती राव ने कहा कि राज बब्बर की कहानी एक मुसाफिर की तरह है, जो एक जगह कभी नहीं रूकता और चलते जाता है। ऐसे व्यक्ति का सांसद बनना अथवा नहीं बनना बराबर है। राव इंद्रजीत सिंह ने वर्तमान में क्षेत्र में विकास का पहिया घुमाया है, जिसे भविष्य में और तेजी से घुमाने के लिए अगले पांच साल उन्हें तथा नरेंद्र मोदी को और देने की जरूरत है। गांवों में आरती राव का भव्य स्वागत किया गया तथा युवाओं की टीम ने जहां बड़ी माला से उनका स्वागत किया, वहीं भारी संख्या में आई महिलाओं ने शॉल औढाकर उनके प्रति अपनी आस्था दिखाई।गांव टींट व मनेठी के अलावा अन्य गांवों में चुनावी सभाओं में बोलते हुए आरती राव ने कहा कि कांग्रेस प्रत्याशी राज बब्बर सिने अभिनेता से राजनेता तो बन गए, लेकिन राजनीति में उनकी भूमिका एक मुसाफिर के जैसी रही है। जिस प्रकार मुसाफिर कभी एक जगह ठहरता नहीं है, ठीक उसी तरह राज बब्बर भी कभी एक जगह नहीं रूके हैं। उन्होंने कई बार लोकसभा का चुनाव लड़ा, लेकिन अलग-अलग क्षेत्र से। एक बार एक जगह जब लोगों ने उन्हें पसंद नहीं किया तो अगली बार उन्होंने दूसरा क्षेत्र बदल लिया।

एकादशी पर छबील लगाकर लोगों की प्यास बुझाई

धारूहेड़ा। धारूहेड़ा के सोहना रोड स्थित राव शमशेर सिंह मार्केट में मोहनी एकादशी के उपलक्ष्य में भीषण गर्मी को देखते हुए दुकानदारों ने ठंडे पानी की छबील लगाकर राहगीरों को का गला तर किया। परमजीत यादव, भोलाराम सैनी, नानक चंद खोला, कमल वर्मा, विनोद गुप्ता व संजय अग्रवाल सहित अनेक दूकानदारों ने धर्म-कर्म में सहयोग दिया। अभी जेठ माह लगने में 4 दिन शेष है, लेकिन गर्मी अपने पूरे चरम पर आ गई है।

देश में शांतिपूर्वक मतदान का होना सभी भारतवासियों के लिए हर्ष की बात : चेयरमैन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी। मेरिट में आने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

हमारा परिवार संस्था की ओर से रविवार को लोकतंत्र जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन पंजाबी धर्मशाला में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि स्कूल शिक्षा बोर्ड भिवानी के चेयरमैन वीपी यादव, निजी स्कूल के निदेशक एडवोकेट निशांत यादव, डा. हरि प्रकाश यादव प्राचार्य राजकीय सीनियर सैकेंडरी स्कूल बोड़िया कमालपुर व संस्था के संयोजक दिनेश कपूर ने कहा कि भारत वर्ष विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। लगभग 97 करोड़ मतदाता अपने मत का प्रयोग कर रहे हैं। इतने विशाल और विभिन्नताओं से भरे देश में शांतिपूर्वक मतदान होना सभी भारतवासियों के लिए हर्ष की बात है। हरियाणा में 25 जून को मतदान का दिन निश्चित हुआ है, जिसमें सभी संस्था के सदस्य परिवार सहित वोट डलवाने का कार्य करेंगे। दिव्यांग, बुजुर्ग व नेत्रहीन मतदाताओं को बूथ तक ले जाने व वापस घर छोड़ने का भी प्रयास करेंगे। सीएलजी कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट सुनील भार्गव, पवित्रा प्रतिष्ठा के अध्यक्ष प्रोफेसर अनिरुद्ध यादव, जैन स्कूल के प्राचार्य सुरेश शर्मा, शिक्षाविद् डा. बलबीर अग्रवाल व प्रधान अरुण गुप्ता ने कहा कि आज का भारत 65 करोड़ युवाओं का भारत है। इस समय युवाओं की ओर से एक लाख से अधिक नए स्टार्टअप शुरू कर दिए हैं। पूरा विश्व हमारे देश की शक्ति को पहचान रहा है। महिला प्रधान निशा सीकरी, शिक्षाविद मधु गुप्ता व पूर्व नगर प्रधान सरोज भारद्वाज ने कहा कि महिलाएं घर-घर जाकर सभी को अपना वोट डालने के लिए प्रेरित करेंगे। अतिथियों को समृद्धि चिन्ह व भारत माता के चित्र भेंट किए गए। कार्यक्रम में प्रवक्ता देवेंद्र कुमार, सुदर्शन मेहंदीरता, पुरुषोत्तम नंदवानी, कपिल कपूर, ओजस्वी, पूर्वांशी, सोनिया कपूर, लक्ष्मी नारायण आदि मौजूद रहे।

स्कूल बस की टक्कर से बाइक सवार बीए के छात्र की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ बावल

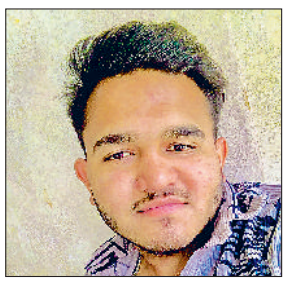

गांव तिहाड़ा के निकट परीक्षा देकर वापस घर आ रहे एक छात्र की बाइक को स्कूल बस ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में छात्र की मौत हो गई। बावल थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार गांव झाबुआ निवासी अभिषेक राजस्थान के एक कॉलेज में बीए प्रथम वर्ष का छात्र था। वीरवार को वह कॉलेज में परीक्षा देने के लिए गया था। जब वह शाम को मोटरसाइकिल पर घर वापस लौट रहा था तो गांव तिहाड़ा नहर के पास एक तेज रफ्तार स्कूल बस ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलने पर परिजन उसे उपचार के लिए अस्पताल ले गए, जहां शुक्रवार को उसने दम तोड दिया। बावल थाना पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने बस चालक पर केस दर्ज कर लिया है।

छठे राष्ट्रपति नीलम संजीव रेड्डी को दी श्रद्धांजलि

रेवाड़ी। देशवासी आजादी का 75वां महोत्सव मना रहे हैं, जिसमें देश के स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने वाले स्वतंत्रता सेनानियों, शहीदों व क्रांतिकारियों को भी याद किया जा रहा है। रविवार को सामाजिक संगठनों ने देश के छठे राष्ट्रपति नीलम संजीव रेड्डी को जयंती पर याद कर श्रद्धांजलि अर्पित की। नीलम संजीव रेड्डी का जन्म 19 मई 1913 को आंध्रप्रदेश के एक किसान परिवार में हुआ था।

उन्होंने मात्र 18 वर्ष की अल्पायु में ही स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन में भाग लेना शुरु कर दिया था। उन्होंने महात्मा गांधी से प्रभावित होकर छात्र जीवन में ही पहला सत्याग्रह भी किया था।

सतीश बीएड कॉलेज में एल्युमनी मीट का आयोजन

आपस में मिलकर गदगद हुए पुराने सहपाठी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी। मुख्यातिथि को स्मृति चिंह देते आयोजक। फोटो : हरिभूमि

सतीश बीएड कॉलेज में एलुमनाई एसोसिएशन की ओर से एल्युमनी मीट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कॉलेज की पूर्व छात्रा व बाल कल्याण समिति की सदस्या उषा रुस्तगी व विशिष्ठ अतिथि के रूप में कॉलेज के पूर्व छात्र व सिविल जज दीपक यादव थे, जबकि अध्यक्षता एलुमनाई एसोसिएशन के प्रधान व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य अनिल यादव ने की। इस अवसर पर उषा रुस्तगी ने कहा कि एलुमनाई एसोसिएशन ने इस मीट का आयोजन कर पुराने सहपाठियों से मिलने का सराहनीय अवसर प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि वह 35 साल बाद अपनी पुरानी सहपाठियों से मिलकर बेहद खुश हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम प्रतिवर्ष होने चाहिए ताकि पुराने साथियों से मिलने का मौका मिलता रहे। विशिष्ट अतिथि ने कहा कि उन्होंने इस कॉलेज का छात्र रहते हुए अनुशासन एवं कठिन परिश्रम करना सीखा। अनिल यादव ने कहा कि आज इस कॉलेज के छात्र विभिन्न क्षेत्रों में उच्च पद पर आसीन है।

कार्यक्रम में कॉलेज के पूर्व छात्र पुनीत कुमार, एडवोकेट शरनजीत यादव, सतेन्द्र आर्य, गुरुग्राम से अंजू खन्ना व अनिता खन्ना सहित विभिन्न पूर्व छात्रों ने अपने संस्मरण सांझा किए। इस अवसर पर कॉलेज की छात्राओं ने मनोहारी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर खूब रंग जमाया। कॉलेज के प्राचार्य डा. चिराग नागपाल ने सभी आगन्तुकों का स्वागत किया। कॉलेज की प्रबन्ध कार्यकारिणी के प्रधान एन के गुप्ता ने सभी का आभार जताया। मंच संचालन आशा छाबड़ा ने किया। इस अवसर पर कॉलेज के महासचिव सुनील भार्गव, अनिल रस्तोगी, मोहन लाल गुप्ता, यशपाल गुप्ता, नविता अरोड़ा, डा. मीनाक्षी, मृतुन्जय यादव व आरती पसरीचा सहित अन्य गण्यमान्य लोग मौजूद थे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9671434260, 8595581311